एक्जिट पोल में उत्तर प्रदेश में भाजपा पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनते दिखाई गई है जबकि मणिपुर और उत्तराखंड में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। गोवा को लेकर लगभग एक मत है कि वहां त्रिशंकु विधानसभा आ सकती है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 87 दिनांकः 10-03-2022 गुरूवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

हवाई हमले में तबाह हुआ मारियूपोल के बच्चों का अस्पताल,

पांच राज्यों में आज होगी मतगणना, नतीजों से पहले चुनावी राज्यों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने में अब एक दिन का वक्त बचा है। ऐसे में वहां हलचल तेज हो गई है। दो दिन पहले आए एक्जिट पोल को लेकर मचे राजनीतिक घमासान के बीच गुरुवार को फैसला हो जाएगा कि पांच राज्यों के चुनाव में किसका पलड़ा भारी रहा। सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी और माना जा रहा है कि अधिकतर राज्यों में जनता की पसंद का अंदाजा 12 बजे तक लग जाएगा। यह तय है कि इस नतीजे का असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी दिखेगा। एक्जिट पोल में उत्तर प्रदेश में भाजपा, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनते दिखाई गई है जबकि मणिपुर और उत्तराखंड में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। गोवा को लेकर लगभग एक मत है कि वहां त्रिशंकु विधानसभा आ सकती है। यूं तो एक्जिट पोल ने सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश और सबसे रोचक राज्य पंजाब को लेकर लगभग एक मत से स्थिति साफ कर दी है कि वहां कौन आएगा लेकिन औपचारिक नतीजे का इंतजार सबको है। खासकर उत्तर प्रदेश को लेकर राजनीतिक गर्मी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रदेश में कई स्थानों पर समर्थक वर्ग उग्र हो गए और चुनाव आयोग को विशेष इंतजाम करना पड़ रहा है।

दावे अब भी हर दल की ओर से हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में दोबारा भाजपा का मनोबल और तेज होगा। ध्यान रहे कि केंद्र में लगातार दो बार बहुमत की सरकार बनाने वाली भाजपा को उत्तर प्रदेश से दोनों बार ऐतिहासिक समर्थन मिला था। वह भी तब जबकि विपक्षी खेमा हर प्रयोग कर चुका। अगर ऐसा नहीं हुआ तो भाजपा के लिए बड़ा झटका होगा। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिदृश्य में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के लिए यह बहुत बड़ी परीक्षा है। दरअसल पार्टी में अंदरूनी घमासान लंबे समय से है। सीधे तौर पर नेतृत्व पर सवाल खड़ा किया जा रहा है। अगर पार्टी को फिर से विफलता मिलती है तो वरिष्ठों का असंतुष्ट खेमा फिर मुखर हो सकता है। विपक्ष में कांग्रेस को अलग थलग छोड़कर विपक्षी एकता की मुहिम भी तेजी पकड़ सकती है। पंजाब में बहुमत पर बहसः एक्जिट पोल में आप सरकार बनने के दावों के बीच भी पंजाब में इस बार सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि राज्य में स्पष्ट बहुमत की सरकार बनेगी या नहीं? यदि किसी पार्टी को बहुमत न मिला तो क्या शिरोमणि अकाली दल (शिअद) व भाजपा फिर गठबंधन करेंगे?

क्या कांग्रेस व आप मिल कर सरकार बनाने का प्रयास कर सकते हैं? यदि कोई भी पार्टी 59 के जादूई आंकड़े को न छू सकी और गठबंधन की सूरत नहीं बनी तो क्या राष्ट्रपति शासन लगेगा? बड़े चेहरों में प्रकाश सिंह बादल, कै. अमरिंदर सिंह, चरणजीत सिंह चन्नी, सुखबीर बादल, भगवंत मान, नवजोत सिंह सिद्धू मैदान में हैं। भाजपा ने अपने युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चेहरे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जादुई आभामंडल के बूते यह चुनाव लड़ा। कांग्रेस के लिए चुनाव अभियान की कमान संभाली पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने। हालांकि भरसक प्रयास के बाद भी हाईकमान ने उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया, लेकिन इसके बावजूद रावत ही इस पद के सबसे प्रबल दावेदार हैं। भाजपा और कांग्रेस के अलावा पहली बार चुनाव मैदान में उतरी आप ने सभी 70 सीटों पर प्रत्याशी उतारे, जबकि बसपा ने 60, सपा ने 56 और उक्रांद ने 46 सीटों पर चुनाव लड़ा।

बुधवार को आए लोकनीति-सीएसडीएस के एक्जिट पोल में भी उत्तर प्रदेश में भाजपा को सर्वाधिक 43 प्रतिशत और सपा को 35 प्रतिशत वोट मिलने की बात कही कही गई है। पंजाब में आप को सर्वाधिक 40 प्रतिशत और कांग्रेस को 26 प्रतिशत मत मिलने का अनुमान है। शिरोमणि अकाली दल को 20 और भाजपा को सात प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। उत्तराखंड और पंजाब में कांग्रेस की हार की बात इस एग्जिट पोल में की गई है। अनुमान है कि गोवा में त्रिशंकु विधानसभा होगी। इस पोल में सीटों की संख्या नहीं बताई गई है।

निर्वाचन आयोग का एक्शन, वाराणसी और मेरठ में विशेष पर्यवेक्षक किए तैनात, पांचों राज्यों में व्यवस्था फुलप्रूफ रखने के निर्देश

नई दिल्ली । मतगणना से पहले ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन) में गडबड़ी को लेकर उठे सवालों के बीच चुनाव आयोग ने मतगणना की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी रखने के लिए और सख्ती दिखाई है। इसके तहत सबसे संवेदनशील माने जा रहे वाराणसी व मेरठ जिले में मतगणना के लिए विशेष पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। जिसमें चुनावी प्रक्रिया के सबसे अनुभवी माने जा रहे बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) को वाराणसी और दिल्ली के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) को मेरठ भेजा गया है।

आयोग ने इसके साथ ही ईवीएम में गडबड़ी के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। चुनाव आयोग ने सेक्रेटरी जनरल उमेश सिन्हा, वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त चंद्र भूषण कुमार और उप निर्वाचन आयुक्त नीतेश व्यास ने बुधवार शाम को चुनिंदा पत्रकारों से चर्चा में मतगणना की तैयारियों की जानकारी दी। आयोग ने बताया कि पांचों चुनावी राज्यों में मतगणना की पूरी व्यवस्था को शांतिपूर्ण, पारदर्शी व निष्पक्ष रखने के लिए करीब 671 मतगणना पर्यवेक्षक, 130 पुलिस पर्यवेक्षक और दस विशेष पर्यवेक्षकों की तैनाती दी है। जो वाराणसी और मेरठ में तैनात किए गए विशेष पर्यवेक्षकों के अतिरिक्त है। आयोग ने इसके साथ ही सभी चुनावी राज्यों के सीईओ और जिलों के डीईओ को मतगणना की व्यवस्था को पूरी तक से फुलप्रूफ रखने के भी निर्देश दिए है। जिसमें आयोग की ओर से तय किए गए ईवीएम प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन कराने को कहा है। साथ ही कहा कि यदि इनमें कहीं भी खामी पायी गई तो कड़ी कार्रवाई भी जाएगी।

आयोग ने इस बीच प्रोटोकाल का ठीक तरीके से पालन न करने के आरोप में वाराणसी के एडीएम को निलंबित करने व उत्तर प्रदेश के सोनभद्र और बरेली जिले के एडीएम को हटाने के निर्देश देने की भी जानकारी दी है। आयोग ने इसके साथ ही झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आने के निर्देश भी दिए है। आयोग ने इस बीच ईवीएम में गडबड़ी के आरोपों को सिरे से खारिज किया और बताया कि वोटिंग में इस्तेमाल की गई ईवीएम को तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। जिनकी आंतरिक में सुरक्षा में केंद्रीय सुरक्षा बल को लगाया गया है। इसके साथ ही चौबीसों घंटे इसे सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। इसका लिंक प्रत्याशियों को भी दिया गया है।

वहीं जहां ईवीएम रखी गई है, वहां भी सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को निरीक्षण की अनुमति दी गई है। जो कभी भी उस स्थल का दौरा कर सकते है। आयोग ने इस दौरान सभी ईवीएम मशीनों के वोटों की गिनती से पहले ईवीएम नंबरों को प्रदर्शित करने और प्रत्येक राउंड की गिनती के बाद सभी मतगणना स्थल पर मौजूद राजनीतिक दलों के एजेंटों को हस्ताक्षित वोटिंग चार्ट मुहैया कराने के लिए भी कहा है। आयोग के मुताबिक मतगणना में शामिल सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ कर रहे हैं यूक्रेन से निकाले जा रह छात्र

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वहां भारत ही नहीं कई अन्य देशों के छात्र भी फंसे हुए हैं। भारत सरकार आपरेशन गंगा चलाकर अब तक हजारों छात्रों को यूक्रेन से निकाल चुकी है। इस आपरेशन के तहत भारतीय छात्रों की ही नहीं, बल्कि अन्य देशों के छात्रों की भी मदद की जा रही है। रेस्क्यू अभियान के तहत युद्ध ग्रस्त इलाकों से निकाले जा रहे छात्र मोदी सरकार की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की भी एक छात्रा केंद्र सरकार की तारीफ कर रही है। दरअसल, यूक्रेन में फंसी पाकिस्तान की छात्रा आसमा शफीक को युद्ध ग्रस्त इलाके से निकाला गया है। इसलिए आसमा कीव में भारतीय दूतावास और पीएम मोदी की तारीफ करते नहीं थक रही है। उन्होंने पीएम मोदी का धन्यवाद किया है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय अधिकारियों ने आसमा को सुरक्षित बचा लिया है, अभी वो पश्चिमी यूक्रेन के रास्ते पर है। सूत्रों ने बताया कि आसमा जल्द ही अपने परिवार से मिलेंगी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि सूमी में फंसे सभी 694 भारतीय छात्रों को निकाल लिया गया है। यूक्रेन की सरकार ने सुरक्षित गलियारा बनाया था, जिसके बाद भारतीय छात्रों को वहां से निकाल लिया गया। छात्रों को बस के जरिए पोल्तावा पहुंचाया गया।

कार्टून कोना

स्थाई सदस्यों को वीटो के अधिकार की फिर से समीक्षा की जरूरत : जी-4

जेनेवा (ईएमएस)। चार देशों ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान के समूह अर्थात जी-चार ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) अपने स्थाई सदस्यों के वीटो के कारण अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के अपने दायित्व के निर्वहन में नाकाम रही है। इस मुद्दे पर व्यापक एवं गम्भीर विचार विमर्श की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र में जापान के स्थाई प्रतिनिधि किमिहिरो इशिकाने ने यह प्रतिक्रिया सुरक्षा परिषद में सुधार को लेकर अंतरसरकारी बातचीत को लेकर अनौपचारिक बैठक में जी-4 की ओर से की।

इशिकाने ने कहा वीटो के इस्तेमाल के कारण (संयुक्त राष्ट्र) सुरक्षा परिषद जरूरत के समय अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बहाल करने की अपनी जिम्मेदारी निभा पाने में नाकाम रही है। हमने देखा है कि विभिन्न मौकों पर इसकी विफलता इस महत्वपूर्ण संगठन के औचित्य को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा इसलिए वीटो के सवाल पर व्यापक और गम्भीर चर्चा की आवश्यकता है।

लखनऊ में बोले अखिलेश यादव, भाजपा अफवाहों के साथ वोटों की हेराफेरी में जुटी

लखनऊ । समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अब अफवाहों के साथ वोटों की हेराफेरी के दुष्प्रयास में जुट गई है। जनता में भ्रम फैलाने के लिए एक्जिट पोल का सहारा लिया गया, किंतु इसकी पोल जनता ने खोल दी है। प्रदेश में जनआकांक्षा और सत्तालोलुपता के बीच जंग में 10 मार्च का दिन निर्णायक सिद्ध होगा। अखिलेश ने कहा कि भाजपा झूठ और फरेब की राजनीति करने से बाज आने वाली नहीं है। मतदान के दौरान उसने अपने विरोधियों के साथ दुव्र्यवहार किया।

बड़ी संख्या में लोग मतदान से वंचित रह गए। भाजपा के झूठे वादों, बढ़ती महंगाई एवं भ्रष्टाचार से क्षुब्ध मतदाताओं ने सभी सातों चरण में सपा व उसके सहयोगी दलों को वोट देकर भाजपा सरकार को करारी शिकस्त दी। भाजपा को यह अहसास हो गया है कि जनता ने उसको सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया है इसीलिए वह षडयंत्र और साजिशों का सहारा ले रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने समाजवादी साथियों के मनोबल तोड़ने की कोशिश की, लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ा।

भाजपा संविधान की मर्यादा से खेल करते हुए प्रशासन तंत्र को भी दबाव में लेकर अपनी स्वार्थपूर्ति के काम में लगी है। भाजपा को कोई लोकलाज नहीं रह गई है। वह लोकतंत्र की पवित्रता को नष्ट करने में तुली है। लोकमत को लूटने के किसी भी दुस्साहस को जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। जनता भलीभांति जानती है कि यह लोकतंत्र की आखिरी लड़ाई है। मतगणना से पहले बुधवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा भाजपा ने जनता को भ्रमित करने के लिए एग्जिट पोल का सहारा लिया। बढ़ती महंगाई व भ्रष्टाचार से क्षुब्ध मतदाताओं ने सपा को वोट किया है।

यूपी में भीषण सड़क हादसा-टायर फटने के बाद बेकाबू कार डीसीएम से टकराई, छह की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

इटावा (ईएमएस)। यूपी के इटावा जिले में बुधवार को भी भीषण सड़क हादसा हुआ। इटावा-मैनपुरी रोड पर बुधवार दोपहर हुए हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा थाना सैफई क्षेत्र के नगला राठौर के पास हुआ। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती कराया गया है। वहां उसका इलाज जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही एसएसपी जयप्रकाश ने भरथना सीओ, सैफई सीओ को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। इसके अलावा आसपास के थाना क्षेत्रों की पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को एंबुलेंस से सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी पहुंचाया।

पीएम मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रूट से की बात

-तुरंत बंद हो युद्ध, दोनों पक्ष कूटनीति एवं संवाद के रास्ते पर लौटें

नई दिल्ली(ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रट के साथ यूक्रेन की स्थिति पर विचार विमर्श किया और दोनों देशों के बीच तुरंत युद्धविराम करके विवाद का कूटनीतिक समाधान खोजे जाने पर बल दिया। पीएमओ ने बताया कि दोनों नेताओं ने यूक्रेन के बारे में बातचीत में वहां मानवीय संकट की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। पीएम मोदी ने भारत की अपील को दोहराया कि हिंसक कार्रवाई तुरंत बंद हो तथा संबद्ध पक्ष कूटनीति एवं संवाद के रास्ते पर लौटें।

राजीव गांधी हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोषी पेरारीवलन को जमानत दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी हत्याकांड के दोषी पेरारीवलन को जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही राज्यपाल के तमिलनाडु सरकार की सितंबर 2018 की रिहाई की सिफारिश पर फैसला न लेने पर सवाल उठाया है। पूर्व पीएम राजीव गांधी हत्याकांड मामले में पेरारीवलन पिछले 32 साल से लगातार जेल में है। रिहाई की सिफारिश पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा क्या इस संबंध में राज्य के राज्यपाल का कोई विवेक है? राज्यपाल द्वारा 2 साल और 5 महीने बाद राष्ट्रपति को राज्य सरकार की सिफारिश भेजने की भी सुप्रीम कोर्ट ने आलोचना की।

टाडा अदालत और सुप्रीम कोर्ट ने पेरारीवलन को मौत की सजा सुनाई थी। बाद में क्षमा यानी दया याचिका की सुनवाई में हुई देरी की वजह से उनकी मौत की सजा को उम्र कैद में बदल दिया गया था। तमिलनाडु सरकार ने उसकी उम्र कैद को भी खत्म कर रिहा करने के लिए रेजोल्यूशन पास किया था। अभी ये मामला गवर्नर और राष्ट्रपति के पास लंबित है। अब सुप्रीम कोर्ट ने पेरारीवलन को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि जेल में रहते हुए उसके आचरण, शैक्षिक योग्यता और बीमारी के आधार पर जमानत दी जा रही है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यहां यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है कि राज्य सरकार द्वारा सजा में माफी की मंजूरी के बाद भी राज्यपाल याचिका पर कोई निर्णय नही ले रहे है।कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में ऐसा नहीं हो सकता कि कोई आदेश पारित किए बिना राज्यपाल ऐसे ही बिना निर्णय लिए बैठे रहें।

गोवा के में त्रिशंकु विधानसभा के अनुमान के बीच 'सियासी जोड़तोड़' शुरू

मुम्बई (ईएमएस)। गोवा के एक्जिट पोल में त्रिशंकु विधानसभा के अनुमान के बीच प्रमुख पार्टियों ने 'सियासी जोड़तोड़' की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी है। बीजेपी ने अपने पुरानी सहयोगी महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी पर निगाह जताई थी। सुधीन धावलीकर के नेतृत्व वाली इस पार्टी के साथ बीजेपी के संबंधों में खटास आ गई थी। चुनाव परिणामों की पूर्व संध्या पर गोवा के बीजेपी प्रभारी देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बीजेपी की महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी स्वाभाविक सहयोगी है। हालांकि फडणवीस आश्वस्त हैं कि बीजेपी को प्रचंड बहुमत मिलेगा।

फडणवीस ने कहा, 'मैं निश्चिंत हूं कि बीजेपी के पक्ष में अच्छे नतीजे आएंगे। लोग हमारे साथ आने को तैयार हूं और इनकी मदद से हमें प्रचंड बहुमत मिलेगा।कांग्रेस आखिर कैसे सरकार बना सकती है जब उसे अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है और वह उन्हें बंद कर देती है।'

उधर गोवा चुनाव के नतीजे आने के पहले कांग्रेस ने दलबदल के डर से अपने प्रत्याशियों को रिसॉर्ट में भेज दिया है। कल 10 मार्च को आने वाले चुनाव नतीजों के पहले, कांग्रेस ने 'दलबदल' को रोकने के लिए कदम उठाए हैं, जिसके चलते पार्टी को अतीत में काफी नुकसान उठाना पड़ा है। दरअसल, पार्टी, गोवा की वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव की चूक को दोहराना नहीं चाहती जब सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बावजूद भी कांग्रेस राज्य में सरकार बनाने में नाकाम रही थी।

महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी की बात करें तो एमजीपी का इस समय ममता बनर्जी की पार्टी के साथ गठजोड़ है। एमजीपी ने संकेत दिया है कि उसे कांग्रेस की ओर से भी 'सकारात्मक संकेत' मिले हैं। गोवा के तीन बार के सीएम मनोहर पर्रिकर के निधन और नए सीएम प्रमोद सावंत के आगमन के बाद धावलीकर को मार्च 2019 में बीजेपी सरकार से हटा दिया गयाा था। हालांकि एक समय बीजेपी के साथ कभी गठजोड़ नहीं करने के कसम खाने वाले एमजीपी प्रमुख अभी भी बनती स्थितियों के अनुसार, भगवा पाटी के पक्ष में कुछ 'उदार' लगते हैं।

पंजाब में झाड़ू इस बार 70 साल पुरानी गंदगी साफ करेगी - भगवंत मान

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के सीएम चेहरे भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब में झाड़ू इस बार 70 साल पुरानी गंदगी साफ करेगी। मान ने एक समाचार चैनल से कहा, 'सीएम बनते ही कैबिनेट में पहला फ़ैसला लिया जाएगा कि सरकारी दफ़्तर में अब मुख्यमंत्री की नहीं, भगत सिंह और बाबा साहेब अंबेडकर की फ़ोटो लगेगी।एक जिन्होंने अंग्रेजों से देश को आजाद कराया और दूसरा जिन्होंने आजाद भारत का संविधान तैयार करने में अहम योगदान दिया। इन लोगों के आगे हम कुछ भी नहीं हैं।'

भगत सिंह के अपनी जिंदगी में अहमियत बताते हुए जब मैं पहली बार सांसद बना था तो मैंने अपना सर्टिफिकेट भी शहीदे आजम के चरणों में समर्पित किया था। उन्होंने कहा कि 10 मार्च को एक नए पंजाब की शुरुआत होने जा रही है। हमने पिछली बार गलती की थी यह मानते हैं, लेकिन हमने गलतियों से सीखा। मैं यह नहीं कह सकता कि हमारी 80,85, 90 सीटें आ रही हैं लेकिन मुझे लगता है झाड़ू इस बार 70 साल पुरानी गंदगी साफ करेगी।'

मान ने कहा, 'हमने पंजाब में बहुत प्रचार किया। हमारे कार्यकर्ताओं ने अपनी जेब से पैसे खर्च करके प्रचार किया, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। 10 मार्च से नए पंजाब की शुरुआत होने जा रही है।'

हवाई हमले में तबाह हुआ मारियूपोल के बच्चों का अस्पताल, जेलेंस्की ने ट्वीट किया फुटेज-

मारियूपोल । यूक्रेन के मारियूपोल स्थित बाल चिकित्सालय (ण्र्त्हि' प्दे-र्ज़्ते) पर बुधवार को रूसी हवाई हमले में 17 स्टाफ जख्मी हो गए। यूक्रेन की ओर से दावा किया गया है कि रूस ने सीजफायर का उल्लंघन कर अस्पताल के परिसर में हमला कर दिया। बता दें कि आज के लिए दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर सहमति बनी थी ताकि मारियूपोल से लोगों की सुरक्षित निकासी हो सके। पेंटागन की ओर से जारी बयान के अनुसार, अमेरिका ने पोलैंड में दो एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल बैटरियों को तैनात कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस हमले को अत्याचार बताया और कहा कि कितने दिनों तक दुनिया इस आतंक को नजरअंदाज करेगी। उन्होंने ट्वीट में कहा, 'मैटरनिटी अस्पताल के मलबे में महिलाएं और बच्चे फंसे हैं। हत्याओं को बंद करें आपके पास ताकत है लेकिन मानवता खत्म होती दिख रही है।'

अमेरिका ने यूक्रेन को मिग-29 लड़ाकू विमान देने के पोलैंड के प्रस्ताव को अव्यावहारिक बताते हुए खारिज कर दिया है। अमेरिका ने कहा है कि इससे नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) के सदस्य देशों में खतरा पैदा होने की आशंका है। इसके बाद पोलैंड के प्रधानमंत्री माटेयुज मोराविस्की ने यूक्रेन को मिल-जुलकर विमान देने की बात कही है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने फिर से लड़ाकू विमान देने की मांग की है। कहा है कि उनका देश रूस के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेगा। यूक्रेन के पड़ोसी नाटो सदस्य देश पोलैंड ने कहा कि वह रूस निर्मित अपने 28 मिग-29 विमान यूक्रेन को देने के लिए तैयार है। यूक्रेन और रूस के बीच बुधवार को सीजफायर के लिए आपसी सहमति बनी थी ताकि मारियूपोल से लोगों की सुरक्षित निकासी हो सके। लेकिन मारियूपोल में बच्चों के अस्पताल पर आज रूस ने हवाई हमला कर दिया।

यूक्रेन के पायलट इन रूसी विमानों को चलाने के लिए प्रशिक्षित भी हैं। पोलैंड ये विमान जर्मनी स्थित अमेरिका के सैन्य अड्डे पर पहुंचा देगा, वहां से इन्हें यूक्रेन को दे दिया जाए। पोलैंड ने इन विमानों के बदले अमेरिका से एफ-16 लड़ाकू विमानों की मांग की थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की मांग पर पोलैंड ने यह प्रस्ताव रखा था। रूस से लड़ाई में यूक्रेनी वायुसेना के बड़ी संख्या में विमान नष्ट हो जाने के कारण जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिम देशों से यह मांग की है। पोलैंड से यूक्रेन को लड़ाकू विमान देने की सिफारिश जहां अमेरिका ने की थी, वहीं रूस ने ऐसा कोई कदम उठाने पर क्षेत्रीय देशों को दुष्परिणामों की चेतावनी दी है। पोलैंड अमेरिका की बात मानते हुए रूस को नाराज नहीं करना चाहता। इसीलिए उसने जर्मनी के अमेरिकी अड्डे पर विमान पहुंचाने की बात कही थी। इसके बाद विमानों को यूक्रेन को देने की जिम्मेदारी अमेरिका की थी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जान किर्बी ने कहा है कि पोलैंड के इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ने से नाटो खतरे में पड़ जाएगा, इसलिए इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

मंगलवार को ब्रिटिश रक्षा मंत्री बेन वैलेस ने कहा था कि पोलैंड अगर ये विमान सीधे यूक्रेन को देता है तो उससे पैदा होने वाली स्थिति में ब्रिटेन उसके साथ खड़ा होगा। पोलैंड को दुष्परिणामों की चिंता करने की जरूरत नहीं है। इस बीच रूस से असंतुष्ट कोसोवो ने यूक्रेन को लड़ाकू विमान देने के लिए अपनी धरती का इस्तेमाल किए जाने का प्रस्ताव रखा है। रूस की नाराजगी की परवाह न करते हुए अमेरिका ने कोसोवो को स्वतंत्र देश की मान्यता दे रखी है।

नवाब मलिक के खिलाफ मोर्चा निकाल रहे फडणवीस को हिरासत में लेकर छोड़ा

मुंबई (ईएमएस)। एनसीपी के नेता नवाब मलिक के खिलाफ मोर्चा निकाल रहे महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस को हिरासत में ले लिया गया।फडणवीस को मेट्रो जंक्शन के आगे पुलिस ने जाने नहीं दिया इसलिए देवेंद्र फडणवीस और बाकी नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया और पुलिस वैन में बैठाकर ले गई। बीजेपी नेताओं के हिरासत में लिए जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की।

देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी के अन्य नेता एनसीपी के नेता नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग को लेकर आजाद मैदान में प्रदर्शन कर रहे थे। इसी के चलते उन्हें हिरासत में लिया गया। उन्हें हिरासत में लेने के बाद मेट्रो जंक्शन के पास से बैरिकेट्स हटाकर रास्ता खोल दिया गया।

नवाब मलिक मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने अरेस्ट किया था। मुंबई अंडरवर्ल्ड, भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके गुर्गों की गतिविधियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने पूछताछ के बाद मलिक को गिरफ्तार किया था।जानकारी के अनुसार,, दाऊद के साथियों के साथ कथित लेन-देन और उनके साथ जमीन के सौदे को लेकर नवाब मलिक से पूछताछ की गई थी। ईडी ने कहा है कि पूछताछ के दौरान नवाब मलिक टाल-मटोल कर रहे थे और उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने कई जगहों पर छापेमारी की थी और इस मामले में दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को भी कस्टडी में लिया था।

आज खत्म होगा मोदी सरकार का ऑपरेशन गंगा, वापस लौटेंगी सरकारी टीमें

सूमी में फंसे लगभग 700 छात्रों का अंतिम जत्था होगा रवाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। गुरुवार को यूक्रेन में भारत का निकासी अभियान खत्म हो जाएगा। युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए मोदी सरकार ने ऑपरेशन गंगा चलाया था, जिसके तहत विशेष फ्लाइट्स से वहां फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाया गया है।

यूक्रेन से सरकारी टीमों की वापसी शुरू करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी और कल शाम तक ऑपरेशन गंगा के तहत अंतिम उड़ानें संचालित होंगी।

रूस-यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से, सरकार ने लगभग 18,000 भारतीय नागरिकों को निकाला है, जिनमें से अधिकांश छात्र शामिल हैं। सूमी में फंसे लगभग 700 छात्रों का अंतिम जत्था पश्चिमी यूक्रेन के रास्ते में है। उनके पहुंचने के बाद एक आखिरी फ्लाइट भारत के लिए उड़ान भरेगी।

75 विशेष नागरिक उड़ानों द्वारा एयरलिफ्ट किए गए भारतीयों की संख्या 15,521 है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन गंगा के हिस्से के रूप में 2,467 यात्रियों को वापस लाने के लिए 12 उड़ानें भरीं थीं और 32 टन से अधिक राहत सामग्री भी यूक्रेन पहुंचाई। नागरिक उड़ानों में, बुखारेस्ट से 21 उड़ानों द्वारा 4,575 यात्रियों को, सुसेवा से 1,820 यात्रियों को 9 उड़ानों से, बुडापेस्ट से 28 उड़ानों से 5,571 यात्रियों को, कोसिसे से 5 उड़ानों द्वारा 909 यात्रियों को, रेजजो से 11 उड़ानों से 2,404 भारतीयों और कीव से एक उड़ान में 242 व्यक्तियों को लाया गया है।

रूस से तेल के आयात पर प्रतिबन्ध के बाद अंतरष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस से तेल के आयात पर प्रतिबन्ध लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले के बाद अंतरष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 131 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गयी। महंगा होते कच्चे तेल की वजह से भारतीय तेल कंपनियों पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव बढ़ता जा रहा है।

बुधवार को एक समय कच्चे तेल का ब्रेंट क्रूड इंडेक्स 131.62 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड आयल फ्यूचर पिछले 13 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। रूस सऊदी अरब के बाद कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा प्रोडूसर है, लेकिन प्रतिबंधों की वजह से क्रूड आयल सप्लाई नहीं कर पा रहा है। कच्चा तेल महंगा होने से भारत का तेल आयात बिल बढ़ता जा रहा है।

बुधवार को इकनोमिक फोरकास्टिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने आगाह किया कि यूक्रेन-रूस युद्ध की वजह से भारत का चालू खाता घाटा इस साल की तीसरी तिमाही में बढ़कर 23.6 बिलियन डॉलर (उञ्ङ का 2.8ड़) पहुंचने की आशंका है। ये पिछले 13 तिमाही में सबसे ज्यादा है। मार्च 2022 में डॉलर के मुकाबले रुपये की औसत कीमत 76 तक रहने का अंदेशा है।

इसके साथ ही सरकारी तेल कंपनियों पर पेट्रोल-डीजल की रिटेल कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर दबाव बढ़ता जा रहा है। पूरे देश में चुनावी अभियान के दौरान पिछले 4 नवंबर और दिल्ली में 1 दिसंबर, 2021 के बाद पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक पिछले 4 महीने में कच्चा तेल महंगा होने से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में प्रति लीटर 12 रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी की ज़रुरत होगी।

अगर सरकार तेल के रिजर्व स्टॉक से कच्चा तेल की सप्लाई बढ़ाती है तो कीमतों में कम बढ़ोतरी करने की जरूरत पड़ेगी। पेट्रोल डीजल पर एक्साइज और ञ्ऊ में कटौती भी एक विकल्प है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए सरकार का बड़ा कदम

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा मंत्रालय ने हथियारों के निर्माण और टेस्टिंग के मामले में 'आत्मनिर्भर' बनने की ओर बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। रक्षा मंत्रालय ने यूनियन कैबिनेट को एक नोडल अंब्रेला बॉडी बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा है जो कि हथियारों की टेस्टिंग और प्रमाणन का काम कर सके। यह संस्था प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों द्वारा बनाए गए रक्षा उपकरणों का सर्टिफिकेशन करेगी। इस साल केंद्रीय बजट में इस बात का जिक्र किया गया था कि एक स्वतंत्र टेस्टिंग ऐंड सर्टिफिशन बॉडी बनाई जाएगी। भारत में निजी रक्षा उपकरण निर्माता कंपनियों केलिए यह बहुत बड़ा कदम साबित हो सकता है। इससे प्राइवेट कंपनियों की तरफ से रक्षा उपकरण की सप्लाई भी बढ़ सकती है। यह नई संस्था इस बात का ध्यान रखेगी कि कोई निजी कंपनी गलत तरीके से उपकरणों को प्रमाणित तो नहीं करवा रही है। ऐसा तो नहीं है कि किसी सरकारी लैबोरेटरी में गड़बड़ चल रही हो जिससे कि कम क्वालिटी वाले हथियारों को घरेलू इस्तेमाल या फिर निर्यात के लिए अनुमति मिल जाए। इस साल बजट में रक्षा बजट का 68 फीसदी घरेलू उत्पादन के लिए निर्धारित किया गया है। प्राइवेट इंडस्ट्री इसका फायदा उठा सकती हैं। कई कंपनियों ने आरम्ड ड्रोन्स, ऑटोनोमस कॉम्बैट वीइकल, एयरक्राफ्ट इंजन, एसपीवी आदि का निर्माण भी शुरू कर दिया है।

उधमपुर में संदिग्ध ब्लास्ट 1 शख्स की मौत, 13 लोग घायल

उधमपुर (ईएमएस)। उधमपुर के सलाथिया चौक पर दोपहर संदिग्ध ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मौके पर पुलिस बम निरोधक दस्ता और एफएसएल की टीम पहुंच चुकी है और पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिरकार यह किस तरह का ब्लास्ट है। वहीं, पुलिस आतंकी हमले के एंगल से भी इस ब्लास्ट जांच की जा रही है। इस ब्लास्ट में अभी तक 1 शख्स की मौत और 13 लोगों के घायल होने की सूचना है।

जन हितैषी

डॉक्टर बनने का सपना

देश में मेडिकल की पढ़ाई करना बहुत महंगा है। स्थिति यह है कि देश के 80 फीसदी लोग प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई का खर्च नहीं उठा सकते हैं। देश में मेडिकल की पढ़ाई पर बेतहाशा खर्च को लेकर अक्सर चर्चा होती है। इधर रूस के यूक्रेन पर हमले के बीच एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले छात्रों के जरिये मेडिकल की पढ़ाई के खर्च पर फिर बहस तेज हो गई है। देश में प्राइवेट कॉलेज से मेडिकल पढ़ाई की फीस इतनी ज्यादा है कि यह खर्च एक करोड़ तक पहुंच जाता है। यूक्रेन संकट और महंगी पढ़ाई को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की फीस सरकारी मेडिकल कॉलेजों जितनी करने की सरकार की योजना के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने तय किया है कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में आधी सीटों पर सरकारी मेडिकल कॉलेजों के बराबर ही फीस लगेगी। नेशनल मेडिकल कमीशन ने गाइडलाइन तैयार कर ली है। बताया जा रहा है कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में 50 फीसदी सीटों पर सरकारी मेडिकल कॉलेजों जितनी फीस को लेकर एनएमसी की नई गाइडलाइन अगले शैक्षणिक सत्र से लागू होगी। यह फैसला निजी विश्वविद्यालयों के अलावा डीम्ड यूनिवर्सिटीज पर भी लागू होगा। मेडिकल के नए फीस स्ट्रक्चर का लाभ पहले उन छात्रों को दिया जाएगा जिनका एडमिशन सरकारी कोटे की सीट पर होगा। हालांकि यह किसी भी संस्थान की कुल सीटों में से अधिकतम 50 फीसदी सीटों की संख्या तक सीमित रहेगा, लेकिन अगर किसी संस्थान में सरकारी कोटे की सीटें वहां की कुल सीटों की 50 फीसदी की सीमा से कम है, तो उन छात्रों को भी फायदा मिलेगा जिनका एडमिशन सरकारी कोटे से बाहर लेकिन संस्थान की 50 फीसदी सीटों में हुआ है। इसका निर्धारण मेरिट के आधार पर होगा। यह फैसला वर्तमान संदर्भ में बेहतरीन है। सरकारी कॉलेज में सीमित सीटों के कारण करीब देश के 80 फीसदी से अधिक परिवार ऐसे हैं जो अपने बच्चों की मेडिकल पढ़ाई का खर्च नहीं उठा सकते हैं। ऐसे में देश से बच्चे मेडिकल पढ़ाई के लिए रूस, यूक्रेन, बांग्लादेश, नेपाल, स्पेन, जर्मनी जैसे देशों में जाते हैं। इसकी वजह है कि इन देशों में मेडिकल पढ़ाई का खर्च तुलनात्मक रूप से काफी कम है। यूक्रेन जैसे देश में मेडिकल कोर्स में एडमिशन लेना अधिक आसान है। इसके अलावा यदि देश में प्राइवेट कॉलेज से मेडिकल पढ़ाई का खर्च 60 लाख से 80 लाख रुपए के बीच है। वहीं, यूक्रेन और अन्य देश महज 20 से 35 लाख रुपए तक में ही मेडिकल की पढ़ाई कर सकते हैं। देश में एमबीबीएस की कुल 90800 सीटों में सिर्फ आधी सीटों का ही लोग खर्च उठा सकते हैं। इसकी वजह है कि ये सीटें सरकारी मेडिकल कॉलेज में हैं। यदि एमबीबीएस की सरकारी कॉलेज में कुल सीटों को हटा दिया जाए तो महज 200 सीट हैं ऐसी है जिसका खर्च लोग उठा सकते हैं। अकेले एनआरआई और मैनेजमेंट कोटे की सीटों की सालाना फीस ही करीब 5 हजार करोड़ रुपए है। एक सर्वे में सामने आया है कि देश के ग्रामीण इलाके जहां डॉक्टरों की बहुत अधिक कमी है, वहां सिर्फ एमबीबीएस की सिर्फ 40 फीसदी सीटें हैं। इनमें से अधिकतर सरकारी कॉलेजों में हैं। ऐसे में अब सवाल उठता है कि हम मेडिकल पढ़ाई के खर्च को कैसे देखते हैं? राष्ट्रीय सांख्यिकी आंकड़ों के अनुसार हम प्रति व्यक्ति सालाना खर्च को देखते हैं। देश में करीब 90 फीसदी लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। इसमें देश की 80 फीसदी आबादी का सालाना खर्च और एमबीबीएस की सालाना फीस की तुलना की गई। इसमें परिवार के सालाना खर्च के आधी फीस को अफोर्डेबल फीस माना गया। हालांकि, यह कहना थोड़ा वास्तविकता से हटकर होगा की एक परिवार अपने कुल खर्च का आधा हिस्सा बच्चे की मेडिकल पढ़ाई पर लगा सकता है। हालांकि, ट्यूशन फीस के अलावा हॉस्टल चार्ज, मेस खर्च, एग्जाम फीस, यूनिवर्सिटी डेवलपमेंट फीस भी शामिल हैं। यह एक लाख से 3 लाख तक सालाना अधिक हो सकता है। सरकारी कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई के लिए गुजरात देश का सबसे महंगा राज्य है। अहमदाबाद और सूरत के नगर निगम संचालित मेडिकल कॉलेजों में भी प्राइवेट कॉलेज की तर्ज पर मैनेजमेंट और एनआरआई कोटा भी है। यहां सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस की सालाना फीस 3 लाख रुपए से लेकर 7.6 लाख रुपए तक है। राज्य में 80 फीसदी शहरी आबादी का सालाना खर्च 3 लाख रुपए से कम है। पंजाब, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स की सालाना फीस क्रमशः 1.8 लाख रुपए, 1.4 लाख रुपए और 1.1 लाख रुपए है। केंद्र सरकार के संस्थानों के अलावा बिहार और पश्चिम बंगाल के सरकारी कॉलेजों में सालाना फीस 6500 से लेकर 9000 रुपए तक है। देश में कुल 90 हजार 800 एमबीबीएस सीटों के लिए हर साल करीब 8 लाख छात्र क्वालीफाई करते हैं। इनमें से करीब आधी सीटें ही ऐसी है जिनकी फीस का खर्च अधिक भारतीय परिवार उठा सकते हैं। ऐसे में साफ है कि यदि मेडिकल सीटों को दो गुना या तीन गुना भी बढ़ा दिया जाए तो भी विदेश से मेडिकल की पढ़ाई करना अपने देश की तुलना में सस्ता पड़ेगा।

सेल्फी से मौतें - हम नहीं सुधरेगें, खुद ही बेमौत मरते रहेगें?

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पर्यटक सेल्फी लेते समय असमय ही काल के गाल में समाते जा रहे हैं।देश मे समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहते है मगर सबक न सीखना लोगों की आदत बन गई है।देश कभी रेल से लटकते समय व पटरीयों पर सेल्फी ली जाती है तो कभी बहते पानी में ली जाती है।चटटानों पर खड़े होकर ली जा रही है।पहाड़ियों पर चढकर पांव फिसल रहे है।सेल्फी जानलेवा साबित हो रही है।सेल्फी की यह खतरनाक प्रवृति बढ़ती ही जा रही है। ताजा घटनाक्रम में गुरुग्राम में सेल्फी लेते समय चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई।यह चलती रेल के सामने सेल्फी लेना चाहतें थे कि बेमौत मारे गए।देश में यह कोई पहला हादसा नहीं है हर रोज सेल्फी की वारदातें हो रही है। जरा सी असावधानी से सेल्फी घातक सिद्व हो रही है।देश में सेंल्फी के हर रोज ऐसे दर्दनाक हादसों से आत्मा सिहर उठती है कि कुछ लोग जान-बूझकर मौत के आगोश में समाते जा रहे है। नदियों के किनारे लोग डूब रहे है। खुद ही मौत के मुंह में समाते जा रहे है।सेल्फी के कारण परिवार के परिवार तबाह हो रहे है।केन्द्र सरकार को ऐसे मामलों पर संज्ञान लेना होगा।देश के युवा सेल्फी लेते समय इतने अंधे कैसे हो जाते है कि अपनी जान जोखिम में खुद डाल देते है और असमय ही बेमौत मारे जा रहे है।ऐसी त्रासदियां असमय ही घर के चिरागों को बूझा रही है अगर इन मामलो पर संज्ञान लिया जाए।अगर प्रशासन इन संगीन मामलों पर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।सेल्फी के लापरवाही के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।है।है।कैसी विडंबना है कि लोग खुद की घोर लापरवाहीयों के कारण बेमौत मर रहें है।लाशों के अंबार लग रहे हैं।बेखौफ होकर लोग जोखिम ले रहें है।पर्यटकों पर हम नहीं सुधरेगें,का लेबल लगा हुआ है।यह कहावत बिगड़ैल पर्यटको पर सटीक बैठती है कि इतने हादसों के बाद भी समझ नहीं आ रही हैं। 2020 व 2021 में भी काफी हादसे हुए है।यह संख्या घटने के बजाए बढ़ती ही जा रही है। आंकड़ों के अनुसार तमिलनाडू में चलती रेल के सामने सेलफी लेते समय मौत हो गई थी।19 जून 2021 को फिरोजाबाद में एक दिव्यांग की सेलफी लेते समय पटरी पर गिर गया तब उसका दोस्त उसे बचाने आया और एकदम से रेल आ गई और दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।16 अक्तूबर 2019 बुधवार को कुल्लू की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में पार्वती नदी के किनारे सेल्फी ले रही दो पर्यटक युवतियां अचानक नदी में बह गई थी एक को निकाल लिया गया था। जबकि दूसरी बह गई।सेल्फी लेते समय पांव फिसलने से यह हादसा पेश आया था। यह युवतियां नदी किनारे एक पत्थर पर सेलॅ्फी ले रही थी। यह युवतियां असम व दार्जिलिंग की रहने वाली थी।पर्यटक मनमानी करते है।6अक्तूबर2019 को ताजा मामला तमिलनाडू के मरमपटी के पांबारु बांध में घटित हुआ था जहां सेल्फी लेते समय एक ही परिवार के चार लोगों की पांबारु बांध में गिरने से दर्दनाक मौत हों गई थी।एक को बचा लिया गया था।परिवार के सब लोग पानी में बह गए थे।केवल मात्र परिवार का एक सदस्य ही बच पाया था।मृतकों में नवविवाहित युगल व उनके सगे संम्बधी थे। देश में2017 में 98 लोग सेल्फी लेते समय मारे गए। 2011 से 2018 तक 259 लोग मारे गए। विदेशी पर्यटक की मौतें ज्यादा हो रही हैं।कुल्लू -मनाली में सैंकड़ों ऐसे मामले घटित हो चुके हैं। खुद ही मौत को दावत दे रहें है। गत वर्ष 2018 में भी एक ऐसी ही घटना कुल्लु में घटित हुई थी कुल्लु की मनीकर्ण घाटी में पार्वती नदी के किनारे दिल्ली का एक पर्यटक सेल्फी लेते नदी में गिर गया था और पानी के तेज बहाब में बह गया था।उसकी लाश नहीं मिल पाई थी।समझ नहीं आता की लोग पिछले घटित हादसों से सबक क्यों नहीं लेते। गत वर्ष भी हिमाचल प्रदेश में सेल्फी के चक्कर में एक छात्रा को जान से हाथ धोना पड़ा था तथा दूसरी को बचा लिया गया था। यह दोनो छात्राएं शिमला के सुन्नी क्षेत्र में कोलडैम के समीप सेल्फी ले रही थी कि अचानक एक छात्रा का पांव फिसला और वह डूब गई दूसरी छात्रा उसे बचाते समय डूबने लगी मगर बचाव दल के सदस्यों ने उसे बचा लिया था। के चक्कर में युवाओं व पर्यटको की मौतों का आंकडा बढता ही जा रहा है। 1 जुलाई 2019 को उतराखंड के पिथैरागढ़ में परिवार के साथ पिकनिक पर गए एक 13 साल के बच्चे की सेल्फी के दौरान डैम में गिरने से मौत हो गई थी। बच्चे को बचाने के लिए उसकी मां ने डैम में कूद गई मगर ज वह डूबने लगी तो वहां मौजूद लोगों ने उस को बचा लिया पर उसका बेटा डूब गया। मध्यप्रदेश में भी झरने के पास सेल्फी ले रहे एक छात्र की डूबने से मौत हो गयी थी। गोताखोर जान जोखिम में लोगों को बचा रहे है।सेल्फी के शौकिन खुद तो मर रहे है बल्कि दूसरों को भी मार रहे है। ऐसे दर्दनाक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। पिछले महिने चलती ट्रेन के साथ सेल्फी लेने के चक्कर में बंगलुरु के पास तीन युवओं की दर्दनाक मौत हो गई थी यह हादसा बंगलुरु से करीब तीस किलोमीटर दूर बिदादी के पास हुआ था जहां तीन लड़के सेल्फी लेने के चक्क्र में चलती ट्रेन की चपेट में आ गए थे।और बेमौत मारे गए थे।इनकी उम्र अभी 16 से 18 साल के बीच थी।कुछ लोगों ने इन युवाओं को तस्वीरे खीचते देखा था।इनमें दो युवा कालेज के छात्र थे और एक ने पढाई छोड़ दी थी। कुछ समय पहले वर्धा में नदी में विर्सजन के समय गणेश की मूर्ति के साथ सेल्फी लेनें के चक्क्र में तीन छात्रों की डुबकर मौत हो गई थी।अब इसे लापरवाही कहे या कुछ और यह अहम सवाल है कि अपनी ही लापरवाहियों के कारण डूबते जा रहे है।सेल्फी के चक्क्र में अपनी जान से हाथ धो बैठते है। देश में घटित हो रहे ऐसे हादसों के लिए प्रशासन व पुलिस भी जिम्मेवार है।हर साल ऐसे हादसों में लोग मारे जाते है। मगर प्रशासन की तन्द्रा हादसे के आद ही टूटती है।अगर प्रशासन सर्तक होता तो श्रध्दालू डूबकर नहीं मारे जाते।अब प्रसाशन सक्रिय हो गया है मगर अब बहुत देर हो चुकी है।अब प्रशासन लापता लोागों की तलाश में लाखों रुपया खर्च कर देगा अगर पहले ही सर्तकता बरती होती तो ऐसे हादसे नहीं होते। ऐसे हादसे व्यवस्था की पोल खोलते है।देश के हर राज्यों में सेल्फी से मौतों के हादसें हो रहे है।कोई भी राज्य इस सेल्फी की बीमारी से अछूता नहीं रहा है।आंकडों में बेतहाशा वृद्वि हो रही है।इन हादसों पर लगाम लगानी होगी। समाचार पत्रों में प्रकाशित आंकडों के मुताबिक 10 जुलाई 2017 को नागपुर में सेंल्फी लेते 8 लोगों की मौत हो गई थी।उसके बाद भी इन हादसों में कमी तो नहीं आई पर वृद्वि जरुर हुई है।27 जुलाई को मध्यप्रदेश में भी सेंल्फी लेते समय चार युवाओं की अकाल मौत हुई थी।इससे पहले 14 जुलाई को उतराखंड के एक दो प्रेमीयों की सेल्फी लेते समय मौत हो गई थी। 16 अप्रैल 2016 को सहारनपुर में रेलवे क्रासिंग पर सेल्फी लेते समय एक 16 साल के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई थी।9 जनवरी 2015 को जम्मू में सेल्फी लेने के चक्कर में एक युवक की मौत हो गई थी।2015 में इजराइल के एक पर्यटक की सेल्फी लेते समय मौत हों गई थी।2015 में ही जापान के एक पर्यटक की थी सेल्फी लेते समय मौत हो गई थी। 2015 में मथुारा में तीन युवाओं की रेलवे ट्रैक पर सेल्फी लेनें के चक्कर में मारे गए थे।2014 में ऐसी ही एक घटना हुई थी जिसमें एक 15 साल के बच्चे की मौत हुई थी। ।प्रशासन को इन हादसों से संज्ञान लेना होगा तथा इन हादसों पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाने होगें क्योकि ऐसी बारदातें बहुत ही खौफनाक है। मानव जीवन बहुत ही दुर्लभ है।इन हादसों में कई इकलौते चिराग असमय ही दुनिया से रुखस्त हो रहे है।कहते है कि जानबूझकर गलती करना बहुत ही गलत है।अगर युवा जरा सा संभलकर चलते तो जिन्दगी से हाथ न धोते ।जान की परवाह न करते हुए खुद ही मौत को दावत दे रहे है इसमें किसे कसूरवार मानें।यह एक यक्ष सवाल है जिसका जबाब ढूढना होगा।देश में हो रहे इन हादसों पर समाज को चिंतन करना होगा।युवा आज मस्ती में ऐसे कार्यो को अंजाम दे रहा है कि इन युवाओं व युवतियों व सेल्फी के शौकिनों पर आ बैल मुझे मार की कहावत सटीक बैठती है।प्रशासन को इन बढते हादसों पर लगाम लगाने के लिए कारगर कदम उठाने होगें तथा रेलवे विभाग को भी इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए अगर पहले ही सर्तकता बरती होती तो आज युवा पर नकेल ले जाती और बेमौत न मारे जाते।युवाओं को भी इन हादसों से सीख लेनी चाहिए। देश में सेल्फी निरंतर बढ़ती दर्दनाक घटनाओं को देखते हुए समाज के लोगों को जागना होगा।सरकारों को जागरुकता शिविर लगाने चाहिए।नदियों के किनारे सुरक्षा के इंतजाम करने वाहिए ताकि लोगों के जीवन को बचाया जा सके।तालाबों व झीलों के समीप बाड़बंदी करनी चाहिए।पुलिस का रात-दिन पहरा लगाना चाहिए। समाज के बुद्विजीवी लोगों को इन वारदातों पर मंथन करना होगा।अभिभावको को अपने बिगड़ैल चिरागों व लाडलों को भी को ज्ञान देना चाहिए कि वह सेल्फी के चक्कर में अपनी जान न गवाएं क्योकि मानव जीवन बार-बार नहीं मिलता। देश में हुए इन दर्दनाक हादसों से भी अगर अब भी युवाओ को होश नहीं आया तो हर रोज सेल्फी लेनें चक्क्र में बेमौत मरते रहेगें । उदडंता करने वाले व मनमानी करने वाले पर्यटकों पर कानूनी कारवाई की जाए जो हादसों को निमंत्रण देते है।प्रशासन को ऐसे बिगडैलों पर कानूनी कारवाई करनी चाहिए ।अगर पुलिस प्रशासन ऐसे लोगों पर शिकंजा कसे तो इन हादसों को रोका जा सकता है।अगर अब भी इन हादसों पर संज्ञान नहीं लिया तो हर रोज घरों के चिराग अस्त होते रहेगें। इन भयावह हादसों की पुनरावृति को रोकना होगा।यह मानवता व देश हित में है।प्रशासन को ऐसे लोगों पर शिकंजा कसना चाहिए जो जानबूझकर मौत को गले लगा रहे है और प्रशासन को भी बिना बजह व मनमानी करके जोखिम में डाल रहे है।वक्त अभी संभलने का है।अगर अब भी इन जानलेवा हादसों को अनदेखा किया तो ऐसे हादसे होते रहेगें। (लेखक- नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

खेल - समाचार

महिला विश्वकप : भारतीय टीम का मुकाबला आज न्यूजीलैंड से

हैमिल्टन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुकाबला गुरुवार को आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट के अपने दूसरे मैच में मेजबान टीम न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ टीम को मिलेगा। पहले मैच में भारत की ओर से पूजा वस्त्राकर और स्नेह राणा ने शानदार प्रदर्शन किया था पर हरमनप्रीत कौर जैसी अनुभवी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायीं। अब इन खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय टीम के लिए हालांकि इसके बाद भी मेजबान टीम की चुनौती कमजोर नहीं कही जा सकती। भारतीय टीम की मध्यक्रम के बल्लेबाज पाक के खिलाफ नाकाम रहीं थीं पर इस बार उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हैमिल्टन की पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों की सहायक है। इसलिए इसमें जीत के लिए बड़ा स्कोर बनाना होगा। ऐसे में भारतीय टीम की की कप्तान मिताली राज को खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम अब उस हार का हिसाब भी बराबर करना चाहेगी। भारतीय टीम उस सीरीज में कीवी कप्तान सोफी डेवाइन की टीम के सामने टिक नहीं पायी थी हालांकि उसने अंतिम मैच जीता था। इसलिए भारतीय टीम इस बार पूरी ताकत से उतरेगी। कीवी टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भारतीय टीम को अंदाजा हो गया है कि जीत के लिए 270 या 280 रन भी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते।

भारतीय टीम की युवा बल्लेबाज शैफाली वर्मा भी फार्म में नहीं हैं हालांकि अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का कहना है कि शेफाली अपने को साबित कर चुकी है। वह बेहतरीन क्रिकेटर है और यह सब हर क्रिकेटर के साथ होता है। उसे लय में आने एक बेहतरीन पारी की जरुरत है।

कप्तान मिताली भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेगी। इसके अलावा हरमनप्रीत को भी रन बनाने होंगे। पिछले मैच में बीच के ओवरों में स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाने से भारत की परेशानी और बढी थी। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। न्यूजीलैंड की डेवाइन, सूजी बेट्स, एमी सैथरवेट और एमेलिया केर पर अंकुश लगाना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं होगा। ऐसे में भारतीय टीम की गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आईसीसी के टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे जडेजा

गेंदबाजी रैंकिंग में अश्विन को मिला दूसरा स्थान

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के रविंद्र जडेजा आईसीसी ऑलराउंडरों की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में नाबाद 175 रनों की पारी खेलने के साथ ही गेंदबाजी में भी कुल नौ विकेट लिए थे। जडेजा ने पहली पारी में पांच जबकि दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे। इसका फायदा उन्हें मिला है ओर वह सबसे ज्यादा 406 रेटिंग अंक लेकर विश्व के नंबर एक ऑलराउंडर बन गये हैं। वहीं 382 अंकों के साथ ही वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर दूसरे और 347 अंक लेकर भारत के ही रविचंद्रन अश्विन तीसरे नंबर पर हैं। वहीं बल्लेबाजी रैंकिंग में विराट कोहली और ऋषभ पंत ऊपर आये हैं। मोहाली में 96 रनों की पारी खेलने वाले ऋषभ शीर्ष दस बल्लेबाजों में शामिल हो गये हें। 723 रेटिंग के साथ ऋषभ 10वें नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं भारत के विराट कोहली 763 रेटिंग अंक के साथ 5वें और 761 रेंटिंग अंक के साथ रोहित शर्मा छठे स्थान पर हैं जबकि रीज शुरू होने से पहले विराट 7वें पर थे।

वहीं आईसीसी बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लबुशेन पहले स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी टेस्ट में लबुशेन ने 90 रनों की पारी खेली थी। उनके 936 रेटिंग अंक हो गये हैं। वहीं इंग्लैंड के जो रूट दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे नंबर पर हैं। जडेजा को बल्लेबाजी रैंकिंग में भी 17 स्थान का फायदा हुआ है। वह अब 37वें नंबर पर हैं। जडेजा को गेंदबाजी रैंकिंग में भी तीन स्थान का फायदा हुआ है। इसमें वह 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं आईसीसी गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस 892 रेंटिंग अंक लेकर नंबर एक स्थान पर हैं। वहीं भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 850 अंकों के साथ ही दूसरे नंबर पर बने हुए हैं जबकि भारत के ही जसप्रीत बुमराह 766 अंक लेकर 10वें नंबर पर हैं।

महिला विश्वकप : वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 7 रनों से हराया

डुनेडिन (ईएमएस)। आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 7 रनों से हरा दिया। इंग्लैंड की यह दूसरी हार है। उसे पहले ही मैच में मेजबान न्यूजीलैंड ने भी हराया था। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं दो मैच में दो हार के बाद इंग्लैंड की टीम छठे नंबर पर खिसक गयी है।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की महिला टीम ने डॉटिन के 31 रन और हेली मैथ्यूज के 45 रनों की सहायता से 81 रन की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत दी। वहीं कप्तान स्टेफनी टेलर पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद शेमाइन कैंपबेल ने 66 और चेडान नेशन ने 49 रन बनाकर पांचवें विकेट के लिये 123 रन बनाये। वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 225 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 218 रन ही बना पायी। कैंपबेल ने चार विकेट लिए। इंग्लैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसके चार विकेट 72 रन पर गिर गए। इंग्लैंड ने 36वें ओवर में आठ विकेट पर 156 रन बनाये। इसके बाद एस्सेलेटोन ने 33 और क्रॉस ने 27 रन बनाये। आखिरी तीन ओवर में इंग्लैंड को नौ ही रन चाहिये थे और उसके दो विकेट बाकी थे पर क्रॉस अगले ओवर में रन आउट हो गई और तीन गेंद बाद आन्या श्रुबसोले को स्पिनर अनीसा मोहम्मद ने आउट कर दिया। वेस्टइंडीज ओर इंग्लैंड के बीच मुकाबले में डिएंड्रा डॉटिन के शानदार कैच ने सबका ध्यान खींचा। डॉटिन ने हवा में उछलते हुए यह कैच लिया था। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज लॉरेन विंफील्ड हिल ने शमिलिया कोनेल की गेंद पर एक शॉर्ट खेला। जिसे डॉटिन ने बाईं तरफ हवा में उड़ते हुए एक हाथ से पकड़ लिया।

एमसीसी ने क्रिकेट नियमों में बदलाव किये , मांकडिंग सहित कई विवादों पर लगेगा विराम

दुबई (ईएमएस)। मेरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में बदलाव किए हैं। ऐसे में अब मांकडिंग सहित कई अन्य विवाद थम जाएंगे। क्रिकेट के मैच में कई बार बल्लेबाज के कैच आउट होने के बाद संशय की स्थिति बन जाती है। ऐसे में समझ नहीं आता कि अगली गेंद पर नया बल्लेबाज स्ट्राइक लेगा या नॉन स्ट्राकर पर खड़ा बल्लेबाज। अब नये नियमों के तहत ओवर की अंतिम गेंद पर विकेट गिरता है तो दूसरे छोर का बल्लेबाज अगली ओवर की पहली गेंद पर स्ट्राइक लेगा। पिछले साल इंग्लैंड के नए टूर्नामेंट द हंड्रेड में यह नियम लागू हुआ था जबकि वर्तमान नियम के अनुसार अगर बल्लेबाज कैच लेने के समय एक-दूसरे को क्रॉस कर जाते हैं तो नया बल्लेबाज नॉ-स्ट्राइकर एंड पर आएगा। अगर वे क्रॉस नहीं करते हैं तो नया बल्लेबाज स्ट्राइक लेता है। इसमें कई बार स्थिति साफ नहीं होने पर मैदानी अंपायर थर्ड अंपायर की मदद लेते हैं। इसको लेकर अब एसीसी ने क्रिकेट के नियमों में बदलाव किए हैं। वहीं मांकडिंग की वजह से क्रिकेट में कई विवाद हुए हैं। इसे खेल भावना के खिलाफ माना जाता है। पुराने नियम के अनुसार मांकडिंग लॉ-41 (अनफेयर प्ले) के अधीन आता था। अब इसे लॉ-38 (रन-आउट) में मूव कर दिया गया है। इसे अनफेयर प्ले नहीं माना जाएगा, जिसकी वजह से इसपर होने वाला विवाद भी लगभग समाप्त हो जाएगा।

रंगास्वामी ने बीसीसीआई से चयन नियमों में बदलाव को कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद की सदस्य और पूर्व क्रिकेटर शांता रंगास्वामी ने कहा है कि चयन नियमों में बदलाव किया जाये। जिससे अगले साल होने वाले महिला अंडर-19 विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम उपलब्ध करायी जा सके। इसके साथ ही कहा कि महिला क्रिकेटरों के अस्पताल में भर्ती होने की हालत में खर्चे के भुगतान की नीति में भी संशोधन किया जाना चाहिये। इसके लिए उन्होंने बीसीसीआई को पत्र भी लिखा है। आईसीसी ने हाल ही में घोषणा करते हुए कहा था कि महिलाओं का जूनियर आयु वर्ग का विश्व कप अगले साल होगा। यह कोविड-19 महामारी के कारण गत वर्ष नहीं हो पाया था। बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों को रंगास्वामी का एक पत्र मिला है जिसमें महिला क्रिकेटरों के लिए मौजूदा अंडर-19 नियम और सीनियर टीम की सदस्यों के लिए अस्पताल में भर्ती की योजना का जिक्र किया गया है। गोगास्वामी के अनुसार, 'बीसीसीआई की नीति है कि अगर घरेलू अंडर-19 टूर्नामेंट में किसी खिलाड़ी ने चार साल खेला है तो वह अंडर-19 चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले सकता फिर चाहे उसकी उम्र 19 साल से कम क्यों न हो।' इससे शेफाली वर्मा और रिचा घोष जैसी सीनियर टीम की खिलाड़ी अगले साल अंडर-19 विश्व कप में हिस्सा लेने की पात्र होने के बाद भी भाग नहीं ले पायेंगी। चार साल के नियम में राहत देने की मांग करते हुए उन्होंने कहा है कि जिस भी खिलाड़ी की उम्र 19 साल से कम हो उसे विश्व कप में खेलने का अवसर मिलना चाहिये फिर भले ही उसने कितनी ही बार अंडर-19 टूर्नामेंट खेला हो।

रूस की दादागिरी से विश्व मानवता को खतरा!

आज विश्व पटल पर रूस एवं युक्रेन के बीच 7 दिनों से लगातार चल रहा महाविनाशक युद्ध का परिदृश्य छाया हुआ है, जहां रूस के राष्ट्रपति पुतिन की दादागिरी उभर कर समने आ रही है जिसने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के मामले को लेकर यूक्रेन को युद्ध के आगोश में ले लिया है। आज इस युद्ध के परिणाम स्वरूप दोनों देश के हजारों सैनिकों बेवजह मारे जा चुके है। रूस की सेना का यूक्रेन पर चौतरफा हमला चल रहा है। यूक्रेन की राजधानी कीव पर हमले तेज नजर आ रहे है पर यूक्रेन भी इस हमले का वीरता से जबाब दे रहा है। इस तरह के युद्ध भविष्य में एक भयानक विश्व युद्ध की तस्वीर उभारते नजर आ रहे है। वर्तमान परिवेश में यूक्रेन में गृह युद्ध की स्थिति भी उभरती नजर आ रही है जहां का हर नागरिक रूसी सेना का सामना करने को तैयार बैठा है। इस तरह की स्थिति निश्चित रूप से भयावह तस्वीर प्रस्तुत कर रही है।

वर्तमान में रूस यूक्रेन युद्ध पर विश्व के सभी देशों की पैनी नजर है। इस युद्ध के परिप्रेक्ष्य में विश्वस्तर पर प्रायः अधिकांश देश रूस को दोषी मानते हुये भी यूक्रेन की सहायता की मांग पर मौन नजर आ रहे है जब कि अमेरिका यूक्रेन के साथ खड़ा रहने की अपनी स्वीकृति दे चुका है। फ्रांस एवं जापान भी यूक्रेन के पक्ष में नजर आ रहे है। रूस यूक्रेन के बीच युद्ध को रोकने को लेकर वार्ता का दौर जारी भी है और यूक्रेन पर रूस के हमले दिन पर दिन तेज भी होते जा रहे है। इस तरह के परिवेश रूस के प्राचीन इतिहास के विपरीत जाकर एक नये स्वरूप दादागिरी को दर्शा रहे है जहां विश्व की मानवता विनाशक युद्ध के कगार पर खड़ी नजर आने लगी है। यदि समय रहते इस युद्ध को विराम नहीं लगता तो आने वाला समय रूस की दादागिरी का बुरी तरह से शिकार हो सकता है। जहां से विश्वयुद्ध के संकेत नजर आने लगे है।

वर्तमान में रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे बातचीत के दौर में भी रूस के यूक्रेन पर हमले तेज ही होते जा रहे है। खेरसॉन के बाद खरकीव में रूस हमले के तेवर तेज हो गये है। युक्रेन की राजधानी कीव पर चारों ओर से रूस के हमले तेज हो गये है। जहां पुलिस मुख्यालय एवं डिफेंस विश्वविद्यालय रूस के हवाई हमले के चलते तहस नहस हो गये है। जब कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अभी जक जारी युद्ध में 6 हजार रूसी सैनिकों के मारे जाने की पुष्टी की है। यह रूस के लिये अच्छी बात नहीं है। इस युद्ध में यूक्रेनी सैनिक भी मारे जा चुके है। दोनों देश भले अपने अपने आकड़े पेश करे पर इस तरह के युद्ध के औचित्य के पीछे छिपी एक की दादागिरी और दूसरे का स्वाभिमान के रक्षार्थ उभरता परिवेश शामिल है। जिसपर मंथन होना बहुत जरूरी है। जो कारण रूस यूक्रेन के बीच युद्ध के बने है, उसमें केवल रूस की दादागिरी ही नजर आ रही है। इस तरह के हालात विश्वस्तर पर और कहीं न पनपे , इस पर चर्चा होनी चाहिए। रूस यूक्रेन युद्ध पर तत्काल विराम लगना ही मानवहितकारी हो सकता है वरना उभरती दादागिरी विश्वयुद्ध का परिवेश उजागर कर सकती है। (लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

आज का इतिहास 10 मार्च

1624 इंग्लैंड और स्पेन में युद्ध भड़का.
1814 नेपोलियन बोनापार्ट को लेआन की लड़ाई में पीछे हटना पड़ा.
1893 फ्रांसीसी उपनिवेशों फ्रेंच गिनी और आइवरी कोस्ट की स्थापना हुई.
1900 उगांडा में ब्रिटिश आयुक्त को सरकार का सलाहकार नियुक्त किया गया.
1919 मिस्र में सईद जागुल पाशा के निर्वासन के बाद राष्ट्रसंघ भड़का.
1922 जोहांसबर्ग में हड़ताल के बाद दक्षिण अफ्रीका सरकार ने आयात स्थिति लागू कर दी.
1922 गांधीजी को साबरमती आश्रम के पास पहली बार गिरफ्तार किया गया.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के रंगून पर कब्जा कर लिया.
1952 जर्मनी के एकीकरण के बारे में सोवियत संघ ने चार महाशक्तियों के सम्मेलन का प्रस्ताव किया.
1972 कंबोडिया के प्रधानमंत्री लोननोल ने सरकार पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया.
1985 भारत बेंसन एंड हेजेज विश्व क्रिकेट चैम्पियन बना था.
1989 इराक ने बमबारी में तबाह बंदरगाह के पुनर्निर्माण के लिए एक लाख मजदूरों को लगाया.
1992 चीन ने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए.
1994 लंदन स्थित सोथबी नीलामी घर ने 25वीं वर्षगांठ मनाई.
1998 अटलबिहारी वाजपेयी ने सरकार बनाने का दावा पेश किया.
1999 ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित मराठी के साहित्यकार कुसुमाग्रज का निधन.
2000 के.एस.सुदर्शन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नए सरसंघचालक बने.

पृथ्वी लोक नही स्वर्गधरा नज़र आता है आबू!

यूं तो आबू पर्वत की आबोहवा में ही परमात्मा शिव की अनुभूति साक्षात होती है।लेकिन अवसर शिव जयंती का हो तो आबू को शिवमय होना ही था।देश दुनिया से इस पुनीत पर्व पर शिव रूहानियत से रूबरू होने पहुंचे लगभग 30 हजार ज्ञान मार्गी भाई बहनों के दिव्य एवं भव्य ईश्वरीय समागम में सूफी गायक पद्मश्री कैलाश खैर ने हरि ओम ध्वनि के उच्चारण से अपनी गायकी का आगाज किया।उन्होंने हुए कहा कि पृथ्वी पर माउंट आबू एक ऐसा लोक है जहां स्वयं परमात्मा निवास करते हैं। तभी तो यहां ब्रह्माकुमारी संस्थान में शिव साक्षात अनुभव किये जा सकते है। शांतिवन का भव्य नजारा देखकर कैलाश खैर ने कहा कि आज सही मायने में आध्यात्म और संगीत का मिलन हुआ है।

कैलाश खैर ने शांतिवन में हज़ारों की संख्या में मौजूद श्रोताओं की उपस्थिति भगवान भोलेनाथ के गानों की कैलाश खैर ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा आध्यात्मिकता के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य सराहनीय है।वह चाहते है संस्थान देश दुनिया ही नहीं अंतरिक्ष पर भी होना चाहिए। वहीं दुनिया पर बने विश्व युद्ध के खतरें पर उन्होंने कहा दुनिया में चाहे कितने ही युद्ध हो भारत हमेशा प्रेम की बात करता है।

कैलाश खैर ने कहा कि भारत पुरे विश्व को एक परिवार मानता है। हम तो अपने दुश्मन के लिए प्रार्थना करते है। वहीं कार्यक्रम में प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास सहित कई अन्य कलाकारों ने भी शानदार प्रस्तुति दी।आबू के शांतिवन में जब सूरों की संध्या सजी तो लोगों का उमंग उत्साह दोगुना हो गया।डायमंड हॉल के मंच पर कवि डॉक्टर कुमार विश्वास ने ऐसा रंग जमाया कि सब मंत्रमुग्ध हो गए। जी टीवी के जी अनमोल पर प्रसारित होने वाले रियालिटी शो स्वर्ण स्वर भारत की पूरी टीम ब्रह्माकुमारीज के शांतिवन पहुंची थी। प्रतिभागियों ने शिव परमात्मा के गीतों से अपनी सुंदर प्रस्तुतियां दी। एक ही मंच पर जहां संगीत ने अपना समा बांधा वहीं आध्यात्म की भी छंटा दिखाई दी। संस्था के वरिष्ठ भाई बहनों ने पहले शिवलिंग पर पुष्प अर्पित किए उसके बाद कार्यक्रम का आगाज हुआ।

अपनी कविताओं से सबका दिल जीतने वाले डॉक्टर कुमार विश्वास ने ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने भले ही अब तक हजारों प्रोग्राम किए होंगे, लेकिन ब्रह्माकुमारीज का ये आयोजन बहुत अद्भुत है। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे अब तक जो भी कार्यक्रम उन्होंने किए थे वो धरती पर हुए थे, लेकिन ये कार्यक्रम स्वर्ग में आयोजित हुआ है। यहां के वातावरण में शांति का वास और आध्यात्मिकता की छंटा है क्योंकि यहां हर कोई निःस्वार्थ सेवा भाव से कार्य करता है।

कुमार विश्वास ने कहा कि आज सही माइने में संगीत और आध्यात्म का मिलन हुआ है, लोगों की भीड़ देखकर लग रहा है वे देव लोक में बैठे हैं। ये आम जनसभा नहीं लग रही है। उन्होंने अपने गीतों से सबका मन जीत लिया। इसी मंच पर सिंगिंग रियालिटी शो स्वर्ण स्वर भारत का टाइटल ट्रैक का एंथम सॉन्ग भी लॉन्च किया गया,इस वीडियो में स्वर्णिम भारत की परिकल्पना की तस्वीर दिखाई गई है। शो के प्रतिभागियों ने ईश्वर एक है इस थीम पर अलग अलग गीत गाए, कोई प्रतिभागी दक्षिण भारत से आया, तो कोई उत्तर प्रदेश से तो कोई किसी और राज्य से, कोई हिंदू है तो कोई मुस्लिम। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अस्मिता ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्रह्माकुमारीज संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी, अतिरिक्त महासचिव बीके निर्वैर, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, जी टीवी की सीसीओ अपर्णा भोंसले, अनुराधा भोंसले के साथ राम मिश्रा आदि मौजूद रहे।जिन्होंने ब्रह्माकुमारीज के ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग का भी लुत्फ उठाया। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

10 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2022 वर्ष का 69 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 शक संवत् 1943
मास फाल्गुन पक्ष शुक्ल तिथि अष्टमी 05.35 बजे प्रातः को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 11.30 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 02.13 बजे रात्र को समाप्त।
करण विष्टि 16.15 बजे तदनन्तर बव 05.35 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 07.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871183
जूलियन दिन 2459648.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 06
विशेष रोहिणी व्रत, मासिक दुर्गाष्टमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.32 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	08.02 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.42 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.40 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	13.54 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.10 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.22 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.33 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	22.47 ब.से
राहुकाल		धनु	01.03 बजे से
1.30 से 3.00 बजे तक		मकर	03.08 बजे से
		कुंभ	04.55 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7221

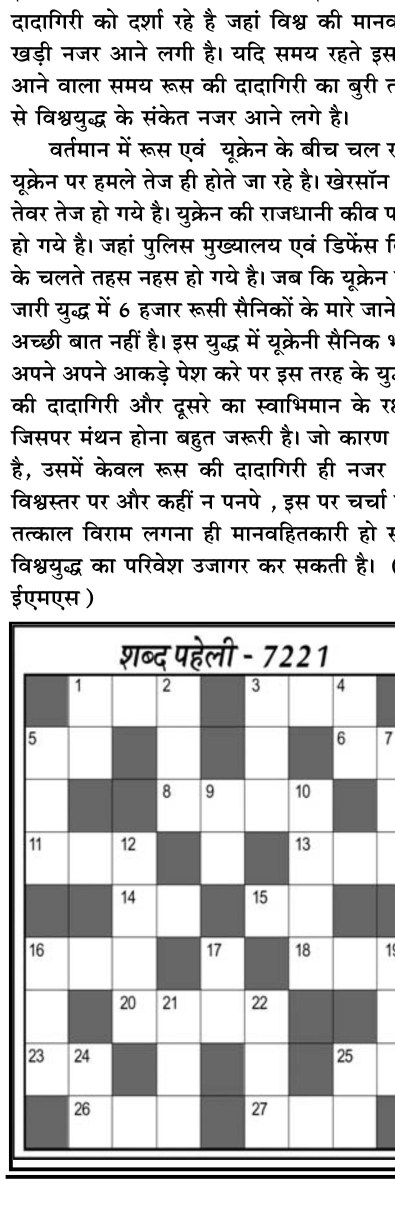

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -7220 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में यह तेजी निवेशकों के अनुकूल रुख के कारण घरेलू बाजार में खरीदारी बढ़ने के कारण आई है। कारोबार के दौरान दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज (आईआरएल) और एचडीएफसी के शेयरो में जमकर खरीददारी हुई। इससे बाजार में उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक कारोबार के अंत में 1,223.24 अंक करीब 2.29 फीसदी की तेजी के साथ ही 54,647.33 अंक पर बंद हुआ। बाजार में एक समय बढ़त 1,469.64 अंक तक की हो गयी पर इसके बाद मुनाफावसूली से यह नीचे आया।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 331.90 अंक तकरीबन 2.07 फीसदी ऊपर आकर 16,345.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे। इन कंपनियों के शेयर 5.56 फीसदी तक बढ़े हैं।

सबसे ज्यादा 5.56 फीसदी लाभ में एशियन पेंट्स के शेयर रहे। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में भी 5.24 फीसदी की बढ़त रही। बजाज फिनसर्व में पांचा फीसदी और एचडीएफसी बैंक में 3.29 फीसदी का लाभ रहा। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड कॉरपोरेशन, एनटीपीसी, टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया और विप्रो के शेयर नीचे आये हैं। विमानन क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त उछाला रहा। इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 6.94 फीसदी और स्पाइसजेट के शेयर 6.05 फीसदी तक उछले।

ग्वाटेमाला में ज्वालामुखी विस्फोट, 500 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया

इस्युइंट्ला (ईएमएस)। ग्वाटेमाला के 'वॉल्केनो ऑफ फायर में विस्फोट के बाद पहाड़ी से नीचे गिरती गर्म राख और पत्थरों के बीच लगभग 500 लोगों को वहां से निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह इलाका 2018 में 'वॉल्केनो ऑफ फायर' में हुए भीषण ज्वालामुखीय विस्फोट से पूरी तरह से तबाह हो गया था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान, लावा विज्ञान, मौसम विज्ञान एवं जल विज्ञान संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार देर रात लगभग तीन बजे ज्वालामुखी में हलचल कम होने लगी।

बयान में कहा गया है, भूकंपीय और ध्वनिक सेंसर इसकी पुष्टि करते हैं कि ज्वालामुखी के केंद्र में जो हलचल बनी हुई है, वह हल्के विस्फोट से संबंधित है, जिसके चलते घाटी में गर्म राख और पत्थरों का गिरना जारी है। ग्वाटेमाला की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि प्रभावित इलाके से निकाले गए लोगों के लिए पास के एस्युइंट्ला शहर में आश्रय स्थल बनाए गए हैं। सांता लूसिया कोत्ज़ुमालगुपा स्थित जिम को आश्रय स्थल में बदला गया है, जहां सैकड़ों लोग चारपाइयों पर इस घोषणा के इंतजार में बैठे थे कि अब घरों की तरफ लौटना सुरक्षित है। 3,763 मीटर ऊंचा 'वॉल्केनो ऑफ फायर' मध्य अमेरिका के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में शामिल है।

आईओसी ने पेट्रोल पंप पर दवा स्टोर खोलने निजी कंपनी से किया करार

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन ऑयल (आईओसी) के अनुसार पेट्रोल पंप पर दवा की दुकान खोलने के लिए एक निजी कंपनी से करार किया गया है। मैसर्स दवा इंडिया जेनेरिक फार्मेसी लिमिटेड नाम की कंपनी दिल्ली और हरियाणा राज्य में आईओसी के पेट्रोल पंप पर कंपनी आउटलेट्स खोलेगी। इस करार के तहत दिल्ली में पहला पेट्रोल पंप खुल चुका है। इस करार को मूर्तरूप देते हुए दवा इंडिया के ब्रांड एंबेसडर कपिल देव ने हाल ही में दिल्ली के साकेत स्थित आईओसी पंप वेलकम मोटर्स पर दवा आउटलेट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आईओसी के दिल्ली स्टेट आ?फिस के स्टेट हेड और ईडी श्याम बोहरा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोहरा ने बताया कि इस नई पहल से ग्राहकों के बीच सस्ती जेनेरिक दवाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। बोहरा ने बताया कि दिल्ली में इंडियन ऑयल के 12 और रिटेल आउटलेट्स में दवा इंडिया स्टोर्स को शुरू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं। इसके बाद दिल्ली और हरियाणा के कई और पेट्रोल पंपों पर दवा स्टोर खोले जाएंगे।

अमेरिका ने यूक्रेन को दिया बड़ा झटका, पोलैंड के प्रस्ताव को मनाने से किया इंकार

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने यूक्रेन को बड़ा झटका देकर पोलैंड के 28 मिग-29 फाइटर जेट देने के ऑफर को ठुकरा दिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने पोलैंड के मिग-29 फाइटर जेट को जर्मनी में अमेरिकी वायुसेना के ठिकाने पर ट्रांसफर करने का प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अमेरिका ने यह बेहद अहम प्रस्ताव उस समय पर ठुकराया है, जब यूक्रेन और रूस के बीच भीषण जंग जारी है। रूसी सेना राजधानी कीव को घेरकर मात्र कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है। रूस से निपटने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की लगातार पश्चिमी देशों से फाइटर जेट देने की गुहार लगा रहे हैं। पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि पोलैंड का प्रस्ताव स्वीकार करने में असमर्थ हैं। पोलैंड ने प्रस्ताव दिया था कि इन फाइटर जेट को अमेरिका के रामस्टेन एयरबेस को ट्रांसफर कर दिया जाए। इसके बाद वहां से उस रूस के खिलाफ यूक्रेन की मदद के लिए भेजा जाए। किर्बी ने कहा कि अगर इन विमानों को जर्मनी से यूक्रेन के संघर्षग्रस्त इलाके से भेजा जाएगा तब यह पूरे नाटो गठबंधन के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाएगा। रूसी फाइटर जेट इस समय यूक्रेन के आकाश में गश्त लगाकर बमबारी कर रहे हैं।

अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि हम इस बारे में पोलैंड और अन्य नाटो देशों के साथ सलाह करते रहने वाले हैं। पोलैंड का यह प्रस्ताव उस समय पर आया था जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदमयर जेलेंस्की ने अमेरिका से गुहार लगाई थी कि वह शनिवार को इन विमानों को उन्हें सौंप दें। इसके बाद पोलैंड ने यह बयान दिया था कि वह अन्य नाटो देशों से भी आह्वान करेगा कि वह अपने उन फाइटर जेट को यूक्रेन को सौंप दें जिसे उड़ाने का प्रशिक्षण वहां की वायुसेना के पास है।

अमेरिकी विदेश मामलों की एक अन्य अधिकारी ने कहा कि पोलैंड ने यह प्रस्ताव देने से पहले अमेरिका से सलाह नहीं ली थी। बता दें कि पोलैंड के इस कदम से अमेरिका की सरकार सकते में आई थी। अमेरिका के खुफिया विभाग के अधिकारियों और रक्षा मंत्रालय ने इन विमानों का ट्रांसफर किए जाने का विरोध किया। पोलैंड ने कहा है कि अमेरिका मिग-29 की जगह पर उन्हें एफ-16 फाइटर जेट दे दें।

सेबी के पास जो 24.000 करोड़ राशि है वह सहारा ग्रुप कंपनीज के निवेशकों के पुनर्भुगतान के लिए है

- सहारा ने माननीय उच्च न्यायालय में रखी अपनी दलील

लखनऊ (ईएमएस)। सहारा इंडिया परिवार ने पटना हाई कोर्ट के समक्ष कहा कि सेबी के पास जो 24,000 करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है, वह सहारा ग्रुप कंपनीज़ के निवेशकों के पुनर्भुगतान के लिए है। किंतु निवेशकों को सेबी से भुगतान नहीं मिला है और यह धनराशि सेबी के पास व्यर्थ पड़ी है। विगत 9 वर्षों में सेबी ने निवेशकों को केवल 128 करोड़ का ही पुनर्भुगतान किया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश में समूह की अन्य कंपनियों के निवेशकों की देनदारी चुकाने के प्रति कोई रोक नहीं है। माननीय पटना उच्च न्यायालय द्वारा जारी सम्मन के अनुसरण में 8 मार्च, 2022 को सहारा की ओर से न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश प्रसाद सिंह ने एक लिखित उत्तर में यह बात कही।

इसके साथ ही यह तर्क भी दिया गया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय या किसी अन्य न्यायालय द्वारा सेबी को सहारा की दो कंपनियों के अलावा अन्य कंपनियों/सोसाइटियों के निवेशकों को पुनर्भुगतान करने से रोकने के लिए कोई बाधा या आदेश पारित नहीं किया गया है। जबकि उन कंपनियों द्वारा किए गए निवेश माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फ्रीज़ कर दिए गए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वास्तव में माननीय लखनऊ उच्च न्यायालय के समक्ष दायर एक रिट याचिका में सेबी ने स्वयं यह कहा था कि सहारा से प्राप्त धन का उपयोग सहारा क्यू शॉप सहित सभी निवेशकों को पुनर्भुगतान करने के लिए किया जाएगा। किसी भी स्थिति में यदि पुनर्भुगतान नहीं किया जाता है, तो पैसा ब्याज सहित सहारा को वापस कर दिया जाएगा। हालांकि, सेबी के इस तरह के कथन और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 05.12.2012 के स्पष्ट आदेश के बावजूद कि सेबी द्वारा सहारा को अधिशेष राशि वापस कर दी जाएगी, परंतु सेबी ने न तो निवेशकों को भुगतान किया है और न ही सहारा को रिफंड किया है। ऐसे में सेबी के लिए केवल एक ही विकल्प खुला है कि या तो वह सहारा को पूरी राशि वापस करे या निवेशकों को पुनर्भुगतान करे। सहारा के वकील द्वारा दाखिल की गई दलीलों का सेबी के वकील संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। माननीय उच्च न्यायालय ने सेबी को 25.03.2022 को या उससे पहले लिखित में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने आगे निर्देश दिया कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा उठाए गए सभी सवालों के जवाब देने के लिए मुंबई में सेबी के हेड ऑफ़िस का एक ज़िम्मेदार अधिकारी 28.03.2022 को अदालत में उपस्थित हो।

रूस का सनसनीखेज दावा.....अमेरिका यूक्रेन के अंदर जैविक हथियार बना रहा

अमेरिकी विदेश मामलों की अंडर सेक्रेटरी ने माना रुस के हाथ नहीं लग जाए

चीन ने मामले में अमेरिका से मांगा जबाव

मास्को (ईएमएस)। रूसी हमले शुरू होने के बाद से ही व्लादिमीर पुतिन प्रशासन दावा कर रहा है, कि अमेरिका यूक्रेन के अंदर जैविक हथियार बना रहा है। इतना ही नहीं अमेरिका ने इसके लिए कई लैब बना रखी है। इस बीच अमेरिकी विदेश मामलों की अंडर सेक्रेटरी विक्टोरिया नूलैंड ने खुलासा किया है कि वॉशिंगटन यूक्रेन के साथ मिलकर बॉयोलॉजिकल शोध केंद्रों को रूस के हाथों में पड़ने से रोकने के लिए काम कर रहा है। नूलैंड के यूक्रेन के अंदर बॉयोलॉजिकल लैब होने की पुष्टि करने से बवाल मच गया है। रूस और कोरोना को लेकर घिरे चीन ने अमेरिका से जवाब मांगा है। अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में जैविक हथियारों के नियमों के उल्लंघन के तथ्यों की पुष्टि से चिंतित है। एंटोनोव ने कहा, विदेश विभाग के प्रतिनिधि के बयान से संकेत मिलता है, कि अमेरिका को डर है, कि इन सुविधाओं में संग्रहीत रोगजनक रूसी विशेषज्ञों के हाथों में पड़ जाएंगे। इस मामले में, यूक्रेन और अमेरिका द्वारा जैविक निषेध पर कन्वेंशन का उल्लंघन और टॉक्सिन वेपन्स की पुष्टि की जाएगी।'

एंटोनोव ने कहा, 'विशेष रूप से खतरनाक रोगजनकों के विनाश के बारे में जानकारी है जिनमें प्लेग, एंथ्रेक्स, टुलारेमिया, हैजा और अन्य घातक बीमारियों के प्रेरक शामिल हैं।' रूस ने इससे पहले कहा था कि अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य जैविक कार्यक्रम के तहत लविवि, खारकोव और पोल्टावा में 30 से अधिक प्रयोगशालाएं खतरनाक संक्रामक एजेंटों के साथ काम कर रही हैं।

इस बीच चीनी विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से यूक्रेन में पेंटागन की कथित जैविक प्रयोगशालाओं (बायोलॉजिकल लेबोरेटरी) के बारे में जल्द से जल्द जानकारी का खुलासा करने का आह्वान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, रूसी सेना ने कहा कि यूक्रेनी अधिकारी इन प्रयोगशालाओं में अध्ययन किए गए रोगजनकों को नष्ट कर रहे हैं। मॉस्को ने दावा किया कि 30 अमेरिकी वित्तपोषित यूक्रेनी बायोलैब अमेरिकी सेना के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। हालांकि यूक्रेन ने जैव हथियार विकसित करने से इनकार किया है।

कीव में अमेरिकी दूतावास के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विभाग का जैविक खतरा न्यूनीकरण कार्यक्रम केवल संक्रामक रोगों के प्रकोप के खतरे का मुकाबला करने के लिए भागीदार देशों के साथ सहयोग करता है। 2020 में, दूतावास ने यूक्रेन में यूएस-वित्त पोषित बायोलैब के बारे में इस तरह के सिद्धांतों को विघटनकारी करार दिया था। मंगलवार को चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने दावा किया कि उनके देश की जानकारी के अनुसार, यूक्रेन में प्रयोगशालाएं केवल एक हिमखंड की नोक (जितना दिखाई दे रहा है, उससे कहीं अधिक) है और अमेरिकी रक्षा विभाग दुनिया भर के 30 देशों में 336 जैविक प्रयोगशालाओं को नियंत्रित करता है। झाओ ने कहा है कि यह जैव सुरक्षा जोखिमों को कम करने के लिए सहयोग और वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के बहाने किया जाता है। यह पहली बार है जब बीजिंग ने कथित आंकड़ों का खुलासा किया है। झाओ ने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यूक्रेन में 26 अमेरिकी प्रयोगशालाएं हैं। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से प्रयोगशालाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

इस सदी के भाग्य का फैसला करेगा भारत, रूस से रिश्तों पर किया जाना चाहिए पुनर्विचार : शिवतोस्लाव युराश

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच में दो हफ्तों से जारी लड़ाई कब खत्म होगी, इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। इसी बीच यूक्रेन के सांसद शिवतोस्लाव युराश ने दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने की चर्चा पर कहा कि यह क्रेमलिन (रूस) पर निर्भर करता है। अगर क्रेमलिन ने आक्रामकता जारी रखने का फैसला किया है तो हम लड़ाई जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा कि जहां तक पश्चिम से संबंध की बात है हमें बहुत सहायता मिली है और हम इसके लिए आभारी हैं। लेकिन फिर से कुछ भी पर्याप्त नहीं है, कुछ भी बहुत ज्यादा नहीं है और सहायता के लिए सभी का स्वागत है। यूक्रेन के सबसे कम उम्र के सांसद शिवतोस्लाव युराश ने भारत-रूस संबंधों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जहां तक भारत-रूस का संबंध है, आपकी रणनीतिक मित्रता और साझेदारी पर एक संधि है, मुझे लगता है कि न केवल यूक्रेन बल्कि व्लादिमीर पुतिन के शासन द्वारा पिछले 20 वर्षों से किए जा रहे सभी कुकर्मों के आलोक में इस पर (संबंधों) पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। रूस को भारत द्वारा दंडित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में से एक है जो इस सदी के भाग्य का फैसला करेगा। जहां तक रूसी संबंधों पर भारतीय रुख का सवाल है, हमारे राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए गए फोन के लिए मैं आभारी हूं। भारत द्वारा किए जा रहे मानवीय कदमों के लिए हम आभारी हैं।

दो हफ्ते में सस्ता हो सकता है कच्चा तेल!

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई से कच्चे तेल की कीमत में जोरदार बढ़त आई है और यह 2008 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इस बीच अमेरिका ने रूस से तेल के आयात पर प्र?तिबंध लगा ?दिया है। रूस ने धमकी दी है कि कच्चे तेल की कीमत 300 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। माना जा रहा है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमत में भारी उछाल आने की आशंका है। इससे पेट्रोल पंपों में लंबी कतारें लगी हैं और लोग पेट्रोल-डीजल महंगा होने से पहले ही टंकी फुल करा लेना चाहते हैं। लेकिन बीपीसीएल के चेयरमैन और एमडी अरुण कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो हफ्ते में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर के नीचे आ सकती है। सिंह ने ईटी के साथ साक्षात्कार में कहा कि यूक्रेन-रूस लड़ाई खत्म होने के बाद कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ सकती है। दुनिया लंबे समय तक इतनी ऊंची कीमत नहीं झेल सकती है। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी और तेल की मांग में कमी आएगी। अगर कीमत ऊंचे स्तर पर बनी रहती है तो इससे मांग में दो से तीन फीसदी यानी रोजाना दो से तीन मिलियन बैरल प्रतिदिन की कमी हो सकती है। बीपीसीएल चेयरमैन ने कहा कि रूस से दो कार्गो अप्रैल में बीपीसीएल के लिए डिलिवरी करेंगे। कंपनी स्पॉट मार्केट से रूसी तेल खरीदती है। भारतीय रिफाइनर कंपनियां अमूमन स्पॉट मार्केट से 30 से 40 फीसदी तेल खरीदती हैं और बाकी लॉन्ग टर्म डील्स से आता है। ये कंपनियां कम से कम एक महीने की इंवेंट्री रखती हैं। अप्रैल में प्रोसेसिंग के लिए क्रूड आ चुका है। अगर इसमें एक महीने की इंवेंट्री मिला दी जाए तो मई तक उनके पास अपनी जरूरत का पर्याप्त क्रूड मौजूद है।

सोना 55 हजार के पार, चांदी हुई 73 हजारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के दामों में एक बार फिर उछाल आया है। अगर आप आभूषण खरीदने का मन बना रहे हैं तो पहले आपके लिए कीमती धातुओं के ताजा भाव जान लेना जरूरी है। बुधवार को सोने की कीमत 1.67 फीसदी बढ़कर 55,128 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

दूसरे कार्यकाल का इच्छुक नहीं हूं: एनएसई प्रमुख

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विक्रम लिमये ने कहा कि वह शेयर बाजार में प्रमुख के पद पर एक और कार्यकाल के लिए प्रयास नहीं करेंगे। लिमये ने कहा ?कि मैंने निदेशक मंडल को सूचित कर दिया है कि मैं दूसरा कार्यकाल पाने का इच्छुक नहीं हूं, अतः मैं जारी प्रक्रिया में आवेदन नहीं करूंगा, इसमें हिस्सा नहीं लूंगा। मेरा कार्यकाल 16 जुलाई 2022 को समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा ?कि मैंने बहुत कठिन दौर में संगठन का नेतृत्व किया और एनएसई को स्थिर तथा मजबूत करने और उसमें परिवर्तन लाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। हमने नियंत्रण, शासन, प्रौद्योगिकी, नियामक प्रभावशीलता और व्यापार वृद्धि के मामले में लंबा सफर तय किया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने नए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद के लिए हाल में उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। हालांकि लिमये को एक और कार्यकाल मिल सकता है लेकिन सेबी के नियमों के मुताबिक अगला कार्यकाल पाने के लिए उन्हें अन्य उम्मीदवारों से स्पर्धा करनी होगी। लिमये को एनएसई का प्रमुख जुलाई 2017 में बनाया गया था।

पूर्वी तट पर आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करेगा ऑस्ट्रेलिया, अब तक 22 लोगों की मौत

कैनबरा (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बुधवार को कहा कि वह पूर्वी तट पर आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करेंगे। बाढ़ से 22 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने यह घोषणा न्यू साउथ वेल्स स्टेट के उत्तर में बाढ़ प्रभावित लीजमोर शहर के दौरे के दौरान की जहां पर पिछले सप्ताह चार लोगों की मौत हुई थी।

उन्होंने कहा इससे हमारे आपात उपाय सुनिश्चित होंगे और इससे हम जमीनी स्तर पर सेवाओं और समर्थन पहुंचाने में किसी भी तरह की लाल फीताशाही को दूर कर सकेंगे। पिछली गर्मी में दक्षिण गोलार्ध में जंगल में आग लगने के मद्देनजर वर्ष 2020 में पारित कानून के बाद यह पहली आपात घोषणा है। न्यू साउथ वेल्स और क्वींसलैंड राज्य में हुई भारी बारिश की वजह से आपात स्थिति उत्पन्न हुई है।

रुसी आक्रमण में खंडर में तब्दील हुए यूक्रेन के कई शहर, 20 लाख लोगों ने देश छोड़ा

सड़कों पर दिखाई पड़ रही लाशें

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद, दो सप्ताह से भी कम समय में करीब 20 लाख लोगों ने पूर्वी यूरोपीय देश छोड़ दिया है, इसमें आधे बच्चे हैं। हर नए दिन के साथ यह पलायन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बन रहा है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। रूसी सेना से घिरे यूक्रेनी शहरों में मानवीय स्थिति और अधिक विकट हो गई है, जिसमें मारियुपोल भी शामिल है, जहां सड़कों पर हर तरफ शव नजर आ रहे हैं और अभी तक वहां कोई मानवीय मदद नहीं पहुंची है। यूक्रेनी सेना के अधिकारी ने कहा कि देश को सबसे ज्यादा 'हवाई रक्षा प्रणाली की जरूरत है।

यूक्रेन के मारियुपोल में रूसी हमले से उत्पन्न तबाही का मंजर सड़कों पर पड़ी लाशों से साफ नजर आ रहा है, कई दिन से भूखे लोग भोजन की तलाश में दुकानों के ताले तोड़ रहे हैं, प्यास बुझाने के लिए बर्फ पिघलाकर पी रहे हैं। इस रणनीतिक बंदरगाह शहर में रूसी गोलाबारी की आवाज से कांपते हुए हजारों लोगों ने जान बचाने के लिए तहखानों में पनाह ली है। महिलाओं और बच्चों के बीच तहखाने में तेल के दीपक की रोशनी में रोते हुए महिला ने कहा, मैं क्यों ना रोऊं ? मुझे मेरा घर वापस चाहिए, मेरी नौकरी वापस चाहिए। मैं लोगों और शहर को लेकर दुखी हूं।'' मारियुपोल शहर की आबादी करीब 4,30,000 है और रूसी हमले के बाद उत्पन्न स्थितियों से यहां मानवीय संकट गहराता जा रहा है। एक वीडियो में यूक्रेन का एक सैनिक लोगों से एकजुट रहने का आग्रह करता नजर आ रहा है। सैनिक ने कहा, कृपया एकजुट रहें। घबराने की जरूरत नहीं है। कोई सामान चोरी ना करें। आप यहां एकसाथ ही रहें। वहीं, रूसी सेना ने कहा कि 723 लोगों को शहर से निकाला गया है और उनकी पहचान ज्यादातर भारतीय नागरिकों के तौर पर हुई है। बाकी चीन, जॉर्डन और टयूनीशिया के नागरिक हैं। वेरेशचुक ने बताया कि मारियुपोल में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश नाकाम रही, क्योंकि उन्हें ले जाने वाले यूक्रेनी काफिले के शहर पहुंचने से पहले ही रूसी सेना ने उस पर गोलीबारी कर दी।

यूक्रेन में संयुक्त राष्ट्र मिशन की अधिकारी नतालिया मुर्द्रेको ने रूस पर नागरिकों को ''बंधक'' बनाने का आरोप लगाकर कहा कि मारियुपोल तथा अन्य शहरों में स्थिति गंभीर है और विश्व नेताओं तथा मानवीय एवं चिकित्सा संगठनों को तत्काल मदद करनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि नागरिकों, ज्यादातर महिलाओं और बच्चों को ''जाने की अनुमति नहीं है और मानवीय सहायता को वहां पहुंचाने नहीं दिया जा रहा है। वहीं, रूसी सेना ने काफिले पर गोलीबारी से इनकार कर यूक्रेन पर निकासी प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया है।

नेशनल इंटेलिजेंस के निदेशक एवरिल हैंस ने अमेरिकी सांसदों को बताया कि अमेरिका का मानना है कि रूस ने अपने आक्रमण शुरू करने से पहले यूक्रेन की ताकत को कम करके आंका और उसके भी कई लोग हताहत हुए हैं। पेंटागन का दौरा करने के बाद वाशिंगटन में यूक्रेनी दूतावास के अधिकारी मेजर जनरल बोरिस क्रेमेनेत्स्की ने बताया कि अतिरिक्त वायु रक्षा क्षमताएं यूक्रेन के लिए पहली प्राथमिकता हैं।वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी तेल आयात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की और बहुराष्ट्रीय तेल एवं गैस कंपनी शेल ने कहा कि वह अब रूस से तेल और प्राकृतिक गैस नहीं खरीदेगी। वहीं, मैकडॉनल्ड्स,स्टारबक्स,कोका-कोला, पेप्सिको और जनरल इलेक्ट्रिक जैसे कई वैश्विक ब्रांड ने घोषणा की है कि वे यूक्रेन पर आक्रमण के जवाब में रूस में अपने व्यापार को अस्थायी रूप से निलंबित कर रहे हैं।

हमें नहीं चाहिए नाटो की सदस्यता, डोनेट्स्क और लुगांस्क पर रूस के साथ समझौते को तैयार : जेलिंस्की

कीव (ईएमएस)। बीते 14 दिन से रूस के हमले झेल रहा यूक्रेन अब बेहद मुश्किल हालात से गुजर रहा है। हर तरफ तबाही का मंजर है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमिर जेलेन्स्की के तेवरों में थोड़ी नर्मी आई है। जेलेंस्की ने कहा यूक्रेन अब नाटो की सदस्यता नहीं चाहता। उन्होंने कहा वे दो अलग-अलग रूसी समर्थक क्षेत्रों डोनेट्स्क और लुगांस्क की स्थिति पर भी 'समझौता' करने के लिए तैयार हैं।

डोनेट्स्क और लुगांस्क को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी को आक्रमण शुरू करने से ठीक पहले स्वतंत्र घोषित कर दिया था। इन्हीं दो मुद्दों को रूस और यूक्रेन के बीच जंग की वजह माना जा रहा है। रूस को शांत करने के उद्देश्य से यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यह निर्णय लिया है। जेलेंस्की ने एक इंटरव्यू में कहा कि नाटो यूक्रेन को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा गठबंधन विवादास्पद चीजों और रूस के साथ टकराव से डरता है। नाटो की सदस्यता का जिक्र करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि वह ऐसे देश का राष्ट्रपति नहीं बनना चाहते, जो घुटनों के बल कुछ मांग रहा हो।

हाल के दिनों में नाटो ने पूर्व में काफी विस्तार किया है। इसकी कोशिश पूर्व सोवियत संघ के देशों को इसमें शामिल करना है, लेकिन इसके बाद रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया। उल्लेखनीय नाटो एक सैन्य समूह है जिसमें अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे 30 देश शामिल हैं। अब रूस के सामने चुनौती यह है कि उसके कुछ पड़ोसी देश पहले ही नाटो में शामिल हो चुके हैं। इनमें एस्टोनिया और लातविया जैसे देश हैं, जो पहले सोवियत संघ का हिस्सा थे। अब अगर यूक्रेन भी नाटो का हिस्सा बन गया तो रूस हर तरफ से अपने दुश्मन देशों से घिर जाएगा और अमेरिका जैसे देश उस पर हावी हो जाएंगे। अगर यूक्रेन नाटो का सदस्य बन जाता है और रूस भविष्य में उस पर हमला करता है तो समझौते के तहत इस समूह के सभी 30 देश इसे अपने खिलाफ हमला मानेंगे और यूक्रेन की सैन्य सहायता भी करेंगे।

रूसी क्रांति के नायक व्लादिमीर लेनिन ने एक बार कहा था कि यूक्रेन को खोना रूस के लिए एक शरीर से अपना सिर काट देने जैसा होगा। यही वजह है कि रूस नाटो में यूक्रेन के प्रवेश का विरोध कर रहा है। यूक्रेन रूस की पश्चिमी सीमा पर स्थित है। जब 1939 से 1945 तक चले द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रूस पर हमला किया गया तो यूक्रेन एकमात्र ऐसा क्षेत्र था जहां से रूस ने अपनी सीमा की रक्षा की थी।

रूस से तेल आयात पर रोक लगाने की स्थिति में नहीं सहयोगी देशः अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी प्रशासन ने कहा कि रूस से तेल और गैस के आयात पर रोक लगाने से पहले उसने अपने यूरोपीय साझेदारों से चर्चा की थी। उसने माना कि फिलहाल सभी सहयोगी देश ऐसा प्रतिबंध लगाने की स्थिति में नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने कार्यकारी आदेश जारी कर रूस से कच्चे तेल, कई पेट्रोलियम उत्पादों, तरल प्राकृतिक गैस और कोयले के आयात पर रोक लगा दी थी। इसका उद्देश्य रूस को अमेरिकी चालकों और उपभोक्ताओं से सालाना मिलने वाले अरबों डॉलर के राजस्व से वंचित करना है। पिछले साल अमेरिका ने रूस से रोजाना औसतन सात लाख बैरल कच्चा तेला और परिस्कृत पेट्रोलियम उत्पाद का आयात किया था। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा ?कि इस कदम को उठाने से पहले हमने अपने यूरोपीय साझेदारों से करीबी चर्चा की, लेकिन उनसे हमें उम्मीद नहीं थी और हमने उनसे इसमें शामिल होने के लिए नहीं कहा। अधिकारी ने कहा ?कि अमेरिका यह कदम उठाने में सक्षम है, क्योंकि घरेलू स्तर पर हमारी मजबूत ऊर्जा उत्पादन क्षमता है। हम स्वीकार करते हैं कि इस मामले में फिलहाल हमारे सभी सहयोगी देश हमसे जुड़ने की स्थिति में नहीं हैं। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंध नए सौदों पर लागू होगा। हमने रूस से नई खरीद पर रोक लगाई है, लेकिन पहले हो चुके करार के तहत हम तेल के आयात की अनुमति देंगे। पुराने सौदों के तहत आपूर्ति पूरी करने के लिए हम 45 दिन का समय दे रहे हैं।

फ्रिज, कूलर, एसी और पंखे हुए महंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछली गर्मियों के मुकाबले गर्मी से जुड़ी इलेक्ट्रिक चीजों के दाम 10 से 15 प्रतिशत बढ़ गए हैं। महंगाई की इतनी तेज रफ्तार आमतौर पर नहीं दिखती। अमूमन हर साल कीमत में 2 से 5 प्रतिशत तक का उछाल होता है। व्यापारियों के अनुसार इलेक्ट्रिक चीजों में महंगाई की मार इसलिए है क्योंकि इन उपकरणों को बनाने में एल्युमिनियम, लोहे, कॉपर का इस्तेमाल प्रमुखता से होता है। एल्यूमिनियम की कीमत रेकॉर्ड उंचाई स्तर पर है। इससे पहले 2008 में यह मेटल सबसे महंगा हुआ था। कारोबा?रियों का कहना है ?कि ब्रैंडेड और नॉक ब्रैंडेड कूलर की कीमत में 500 से 600 रुपए का इजाफा आया है। इस बार अच्छी गुणवत्ता वाले कूलरों के दाम 8000 से शुरू हो रहे हैं। इसकी वजह यह है कि कॉपर और लोहा काफी महंगा हो चुका है। व्यापारी कहते हैं ?कि पंखों में कॉपर का इस्तेमाल होता है। ऐसे में पिछली गर्मियों की तुलना में इनकी कीमतें भी 60 से 80 रुपए तक बढ़ी हैं। इस बार अच्छे पंखे 1100 रुपए से कम में उपलब्ध नहीं हैं। पानी की मोटर इस सीजन में सबसे अधिक बिकती हैं उनकी कीमतों में सबसे अधिक 300 से 400 रुपए का इजाफा हुआ है। व्यापारियों के अनुसार मौसम बदलने के साथ ग्राहक तो आ रहे हैं, लेकिन कीमतें अधिक होने की वजह से बाजार में बहुत अच्छा रिस्पॉन्स नहीं है। होली के बाद बाजार में कुछ तेजी आ सकती है, लेकिन यदि पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ी तो दाम भी और अधिक बढ़ेंगे।

रूस नहीं चाहता यूक्रेन को बर्बाद किया जाए इसलिए खिंच रही लंबी जंग, लोगों की राय

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के 13 दिन हो गए और समूचा यूरोप इसकी आग की लपटों को महसूस कर रहा है। इस जंग की वजह से यूक्रेन के पड़ोसी देशों में रिफ्यूजियों की संख्या 17 लाख को भी पार कर चुकी है। वहीं यूक्रेन में इस जंग की वजह से भारी नुकसान हुआ है। जवाहरलाल नेहरू की प्रोफेसर अनुराधा शिनोए मानती हैं कि इस जंग की वजह से यूक्रेन कई दशक पीछे चला गया है। हालांकि, ये पहले से ही दिखाई दे रहा था कि रूस के आगे यूक्रेन कुछ भी नहीं है। रूस के सामने उसकी सैन्य शक्ति भी न के ही बराबर है। इसके बाद भी पश्चिमी देशों और अमेरिका के बहकावे में आकर यूक्रेन गलती कर बैठा।

प्रोफेसर शिनोए का कहना है कि रूस चाहता तो अपनी वायु सेना को इस युद्ध में उतार कर दो दिन में ही यूक्रेन को जीत सकता था। लेकिन उसने ऐसा इसलिए नहीं किया क्योंकि वो नहीं चाहता था कि यूक्रेन को बर्बाद किया जाए। रूस पहले से ही कहता आया है कि उसका मकसद यूक्रेन को बर्बाद करने का नहीं है। वो केवल यही चाहता है कि वो अमेरिका की तरफ न जाए। रूस चाहता है कि वो यूक्रेन की सैन्य शक्ति को नष्ट कर दे। इसके पीछे रूस की केवल इतनी ही सोच है कि वो यूक्रेन को अमेरिका के साथ जाने से रोक सके।

जेएनयू के सेंटर फार रशियन कल्चर की प्रोफेसर का ये भी कहना है कि वायु सेना के उतारने से ये एक फुलफ्लैश्ड युद्ध कहा जाने लगता, जबकि रूस इसको अब तक मिलिट्री आपरेशन का नाम दे रहा है। इन दोनों में ही काफी अंतर है। रूस के पास में पूरी क्षमता है। वो नहीं चाहता है कि यूक्रेन नाटो की गोद में बैठ जाए और इसकी वजह से उसकी अपनी सुरक्षा को खतरा मंडराने लगे। आपको बता दें कि नाटो की स्थापना के बाद से इस संगठन में काफी कुछ बदलाव देखने को मिला है। ये लगातार अपना विस्तार करता आया है। अब ये रूस के काफी करीब आ गया है। ऐसे में यदि यूक्रेन भी नाटो में शामिल हो जाता है तो नाटो के खतरनाक हथियार रूस की सीमा पर आ जाएंगे और युद्ध की स्थिति में ये पल भर में मास्को पर निशाना लगा सकते हैं।

जिस भारतवंशी कारोबारी ने जूम-मीटिंग में 900 कर्मचारी निकाले थे, अब फिर सुर्खियों में

- जल्द ही 4,000 अन्य कर्मचारियों को कंपनी से बाहर ?निकालने की तैयारी

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। विशाल गर्ग भारतवंशी-अमेरिकी कारोबारी हैं। न्यूयॉर्क से बेटर डॉट कॉम नाम का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म चलाते हैं, जो लोगों को कर्ज मुहैया कराता है। कम से कम इंसानी दखल और कागजी कार्रवाई के जरिए, पूरी डिजिटाइज प्रक्रिया से। उनकी इस कंपनी के कर्मचारी भारत अमेरिका सहित पूरी दुनिया में हैं। हालांकि विशाल पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र तब बने, जब दिसंबर 2021 में उन्होंने जूम-मीटिंग के दौरान ही अपने करीब 900 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। इसके बाद अब वे फिर इसी कारण से सुर्खियों में हैं। खबरें हैं कि विशाल जल्द ही 4,000 अन्य कर्मचारियों को कंपनी से बाहर करने वाले हैं। खबरों की मानें तो विशाल अपनी कंपनी के कर्मचारियों की संख्या आधी करने वाले हैं। बताया जाता है कि बुधवार, 9 मार्च को ही यह छंटनी हो सकती है। हालांकि यह प्रक्रिया फरवरी में किसी वक्त होनी थी लेकिन तब योजना बनते ही इसकी तारीख मीडिया में लीक हो गई। इससे कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को तारीख आगे बढ़ानी पड़ी।

सूत्र बताते हैं कि करीब एक महीने की छुट्टी बाद बीते साल दिसंबर में ही फिर कंपनी की अगुवाई संभालने वाले विशाल तब से छंटनी-प्रक्रिया की रूपरेखा बनाने में लगे हैं। इसी के तहत दिसंबर में ही उन्होंने जूम-मीटिंग के दौरान पहले 900 कर्मचारी बाहर किए और अब अन्य 4,000 कर्मचारियों को दरवाजा दिखाने वाले हैं। हालांकि दिसंबर की मीटिंग के दौरान ही उन्होंने बताया था कि कंपनी को ऑरोरा एक्विजीशन कॉर्प्स और सॉफ्ट बैंक से करीब 75 करोड़ डॉलर (लगभग 5,768 करोड़ रुपए) का पूंजी निवेश हासिल हुआ है। इसके बावजूद वे कंपनी में इस पैमाने पर छंटनी कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इस छंटनी से विशाल की कंपनी का काम काफी प्रभावित हो सकता है क्योंकि उनके अधिकांश कर्मचारी सेल्स और ऑपरेशन वाले हैं। जानने लायक बात ये भी कि जूम-मीटिंग के दौरान 900 कर्मचारियों को निकालने की घटना के बाद विशाल को जगहंसाई जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा था। सोशल मीडिया पर उनको निशाना बनाते हुए कई मीम्स आदि बने थे। उस वक्त उनकी कंपनी में करीब 9,100 कर्मचारी थे लेकिन इस घटना से असंतुष्ट कई कर्मचारियों ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। इनमें कुछ वरिष्ठ अधिकारी भी थे। इसके बाद विशाल ने इसके लिए माफी भी मांगी थी।

पीएम मोदी के आगमन के चलते गुजरात विधानसभा का सत्र एक दिन स्थगित रहेगा

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। पीएम मोदी के आगमन और सरकारी कार्यक्रमों के चलते गुजरात विधानसभा का सत्र एक दिन के लिए स्थगित रहेगा। मौजूदा सत्र की 11 मार्च होनेवाली बैठक 14 मार्च को होगी। गुजरात के शिक्षा मंत्री और सरकार के प्रवक्ता जीतु वाघाणी ने यह जानकारी देते हुए पीएम मोदी की उपस्थिति में होनेवाले सरकारी और भाजपा संगठन के कार्यक्रमों की जानकारी दी। जीतु वाघाणी ने बताया कि पीएम मोदी 11 और 12 मार्च को गुजरात दौरे पर रहेंगे। 11 मार्च को पीएम मोदी अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्रदेश भाजपा कार्यालय कमलम पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से भाजपा मुख्यालय तक भव्य रोड शो का आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। कमलम में पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया जाएगा। कमलम में ही पीएम मोदी भाजपा के सांसदों और विधायकों के साथ बैठक करेंगे और उसके बाद भोजन भी पार्टी मुख्यालय में ही करेंगे। कमलम से पीएम मोदी राजभवन जाएंगे और राज्यपाल से मुलाकात के बाद अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित सरपंच सम्मेलन में शामिल होंगे। 12 मार्च को पीएम मोदी राष्ट्रीय रक्षाशक्ति यूनिवर्सिटी के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। इस मौके पर पीएम मोदी के साथ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहेंगे। रक्षाशक्ति यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. विमल पटेल की अध्यक्षता में होनेवाले दीक्षांत समारोह में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल मौजूद रहेंगे। समारोह में 13 विद्यार्थियों को मानद डोक्टरेट, 38 को गोल्ड मेडल और 1090 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। गुजरात के दो दिवसीय दौरे के दौरान पीएम मोदी गांधीनगर अपने भाई पंकज मोदी के घर जाकर माता हीरा बा से भी मुलाकात कर सकते हैं। बता दें कि काफी समय से पीएम मोदी अपनी माता हीरा बा से मिले नहीं हैं। अबकी गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी माता हीरा बा से मुलाकात कर सकते हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत राज्य के 18 जिलों में 470 करोड़ के खर्च से 295 सड़कों के काम को मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा में सड़क एवं आवास मंत्री पूर्णेश मोदी ने बताया कि राज्य के 18 जिलों में रु. 470 करोड़ के खर्च से 295 सड़कों के कार्यों को सरकार ने मंजूरी दी हैं। साथ ही बारिश के कारण संपर्कविहीन हुए गावों के लिए भी सरकार ने करोड़ों रुपए काम मंजूर किए हैं। देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा हैं। आजादी के 75 वर्ष को लेकर जगह जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है और इसके अंतर्गत ही 18 जिलों में सड़कों के काम को मंजूरी दी गई हैं। विधानसभा में सूरत जिले में हाई लेवल ब्रिज संबंधी सवाल के उत्तर में पूर्णेश मोदी ने कहा कि सूरत जिले के डूबाब, कडोद, कोमाडी कोज वे पर 70 करोड़ रुपए के खर्च से हाई लेवल ब्रिज बनाने को मंजूरी सरकार ने दी हैं। नया ब्रिज बनने से डांग, तापी, व्यारा, सूरत और नर्मदा जिले के नागरिकों के लिए यातायात की सुविधा में वृद्धि होगी। नागरिकों का समय बचेगा और ट्रैफिक का बोझ भी कम होगा। इस ब्रिज के बन जाने से बारडोली तहसील के 21, मांडवी के 11 और व्यारा के 5 गांवों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में कहीं भी ट्रैफिक की समस्या से नागरिक परेशान न हों, इसके लिए राज्य सरकार लगातार रोड नेटवर्क को अपग्रेड करने को प्रयासरत हैं। पूर्णेश मोदी ने कहा कि बारिश के दौरान जिन गांवों से संपर्क टूट जाता है उन गांवों के लिए रु. 261 करोड़ के खर्च से 295 कार्यों को भी राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी, जो अगले तीन महीने में शुरू किए जाएंगे।

राज्य परिवहन निगम होली-धुलेटी त्यौहारों पर अतिरिक्त 500 बसें चलाएगा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात राज्य परिवहन निगम ने आगामी होली-धुलेटी के त्यौहारों पर अतिरिक्त 500 बसें चलाने का फैसला किया हैं। ताकि यात्रियों की किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। होली-धुलेटी के दौरान खासकर पंचमहल और दाहोद समेत अन्य जिलों के मूल निवासी राज्य के विभिन्न शहरों में रोजगार के लिए स्थायी हुए लोग परिवार के साथ त्यौहार मनाने अपने घर जाते हैं। त्यौहारों के दौरान ऐसे यात्रियों की सुविधा के लिए राज्य परिवहन निगम ने 500 जितनी अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया हैं। गौरतलब है अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, सूरत, भावनगर और जामनगर समेत राज्य के छोटे-बड़े शहरों से बड़ी संख्या में लोग त्यौहारों के दौरान अपने घर जाने के लिए प्राइवेट बसों का उपयोग करते हैं। कभी कभार बसों की छत पर यात्रा करने को मजबूर होते हैं। त्यौहारों के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की मुश्किल न हो इसके लिए राज्य परिवहन निगम ने अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया हैं।

पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल और रूट का गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने निरीक्षण किया

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। पीएम मोदी के अहमदाबाद में होनेवाले कार्यक्रम स्थल और रूट का गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने निरीक्षण कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। 10 मार्च को उत्तर प्रदेश समेत राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा के मोडल स्टेट गुजरात पर सभी राजनीतिक दलों की नजर होगी। इसी वर्ष के अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। कोरोनाकाल के दो साल बाद पीएम मोदी पहली बार दो बड़े कार्यक्रमों में शिरकत करने गुजरात आ रहे हैं। पीएम मोदी के भव्यातिभव्य स्वागत की भाजपा तैयारी कर रही हैं। गुजरात दौरे के पहले दिन 11 मार्च को पीएम मोदी अहमदाबाद एयरपोर्ट से सीधे भाजपा के प्रदेश कार्यालय कमलम में जाएंगे। जहां पार्टी प्रमुख समेत नेता और विधायकों के साथ बैठक करेंगे। जिसके बाद अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित सरपंच सम्मेलन में शामिल होंगे। दूसरे दिन 12 मार्च को पीएम मोदी गांधीनगर के वलाद स्थित रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में गुजरात खेल महाकुंभ 2022 का शुभारंभ कराएंगे। दूसरी ओर पीएम मोदी के रूट और उनके कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। मोदी के आगमन से पहले गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने जीएमडीसी ग्राउंड और नवरंगपुरा स्थित सरदार पटेल स्टेडियम का निरीक्षण किया। जीएमडीसी ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरपंच सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जबकि सरदार पटेल स्टेडियम में पीएम मोदी खेल महाकुंभ का शुभारंभ कराएंगे। सरदार पटेल स्टेडियम में 1 आईजी, 1 डीआईजी, 5 डीसीपी, 9 एसीपी, 35 पीआई, 157 पीएसआई, 615 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत 822 जवानों को तैनात करने का आदेश दिया गया हैं। अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में 1 आईजी, 11 डीसीपी, 15 एसीपी, 48 पीआई, 163 पीएसआई, 1615 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत कुल 1853 जवानों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 1 आईजी, 3 डीसीपी, 4 एसीपी, 12 पीआई, 50 पीएसआई, 800 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत कुल 870 के अलावा 1 ट्रैफिक के आईजी, 5 डीसीपी, 10 एसीपी, 29 पीआई, 60 पीएसआई, 1900 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत कुल 2005 पुलिसकर्मियों की तैनाती का आदेश दिया गया हैं।

11 मार्च से अहमदाबाद के पिराणा में आरएसएस की तीन दिवसीय बैठक

अहमदाबाद (ईएमएस) राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की आगामी 11 मार्च से 13 मार्च 2022 के दौरान अहमदाबाद के पिराणा स्थित निष्कलंकी नारायण तीर्थधाम में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का आयोजन किया गया हैं। बैठक में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सर कार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले समेत संघ और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। आरएसएस के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील आम्बेकर ने आज पत्रकार परिषद ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे और लघु उद्योगों को गति देने के साथ ही 1 लाख से ज्यादा स्थलों पर संघ के कार्य का विस्तार करने पर भी चर्चा की जाएगी। आगामी 2025 को संघ के 100 पूर्ण हो जाएंगे, ऐसे में संघ का दायरा किस प्रकार बढ़ाया जाए इस खास ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। बैठक में आत्मनिर्भर भारत योजना को किसी प्रकार गति दी जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योगों को किस प्रकार आत्मनिर्भर बनाया जाए जैसे मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। इसके अलावा देश की मौजूदा परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए कश्मीर समेत अन्य मुद्दों के निराकरण भी चर्चा की जाएगी। सुनील आम्बेकर ने बताया कि हर साल आरएसएस की प्रतिनिधि सभा का आयोजन किया जाता है, परंतु पिछले दो वर्ष कोरोना संकट के चलते ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। अब बेहतर परिस्थितियों को देखते हुए ऑफलाइन बैठक का आयोजन अहमदाबाद के पिराणा में किया गया हैं। उन्होंने बताया कि संघ में अलग अलग प्रकार की बैठकें होती हैं। उनमें सबसे बड़ी एवं निर्णय की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण बैठक प्रतिनिधि सभा रहती हैं। पूर्व में प्रतिनिधि सभा नागपुर में ही होती थी नागपुर से बाहर पहलीबार प्रतिनिधि सभा 1988 में गुजरात के राजकोट में ही हुई थी। इस बार प्रतिनिधि सभा में 1248 प्रतिनिधि अपेक्षित परम पूज्य सरसंघचालकजी के मार्गदर्शन में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले इस बैठक का संचालन करेंगे इस बैठक में चयनित प्रतिनिधि, प्रान्त संघचालक, प्रान्त कार्यवाह एवं विविध संगठनो के प्रतिनिधि अपेक्षित रहते हैं। इस बार 36 संगठनों के संगठन मंत्री एवं प्रतिनिधि अपेक्षित हैं। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अवसर पर विभिन्न प्रांतों द्वारा जो आयोजन किया गया हैं उसकी भी चर्चा इस बैठक में होगी। स्वाधीनता के अनेक ऐसे वीर जिनके बारे में विशेष जानकारी नहीं हैं वह जानकारी समाज को देने का प्रयास किया जायेगा। इसके आलावा ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार द्वारा स्वनिर्भरता कैसे पा सकते हैं इस बारे में भी कई उपक्रम संघ ने प्रारम्भ किये हैं।

डाकोर मंदिर में होली-धुलेटी पर आरती समय में प्रवेश नहीं मिलेगा

अहमदाबाद, ९ मार्च।

फाल्गुन पूर्णिमा के दिन डाकोर मंदिर में हर वर्ष बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। लेकिन इस बार मंदिर में दर्शन का समय निश्चित किया गया है।

१७ मार्च को होली है। मंदिर के सीनियरों और मैनेजर द्वारा निश्चित हुए समय के अनुसार सुबह में ४.४५ बजे निज मंदिर खुल जाएगा और ५ बजे मंगला आरती होगी। आरती में भक्तों को प्रवेश नहीं मिलेगा। जिसके बाद ५ से ७.३० बजे तक भक्त भगवान के दर्शन कर सकते हैं। ७.३० से ८ बजे तक श्री ठाकोरजी बालभोग, श्रृंगारभोग, गोवालभोग अर्पित किया जाएगा और इस समय में मंदिर के द्वार फिर से बंद किया जाएगा। जिसके बाद ८ बजे श्रृंगार आरती होगी, इस समय में भी भक्तों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। ८.१५ से १.३० बजे तक दर्शन खुला रहेगा। दोपहर में १.३० से २ बजे तक श्रीठाकोरजी को भोग अर्पित किया जाएगा, तब मंदिर बंद होगा और २ बजे राजभोग आरती होगी, जिसके बाद मंदिर के द्वार सीधे दोपहर में २.०५ बजे खुलेगा और ५.३० बजे बंद होगा, शाम के ५.३० से ६ बजे तक उत्थापन आरती में भी भक्तों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। ६.०५ से ८ बजे तक प्रवेश बंद रहेगा। ६.०५ से ८ तक दर्शन खुले रहेंगे। ८ से ८.१५ को शयनभोग अर्पित किया जाएगा। जिसके बाद ८.३० बजे भगवान पोढी जाएंगे। १८ मार्च को धुलेटी के दिन रणछोडरायजी महाराज का मंदिर सुबह में ३.४५ बजे खुलेगा। ४.०५ बजे मंगला आरती होगी। इस दिन में भक्तों को भी आरती का लाभ लेने को नहीं मिलेगा। ४.०५ से ८.३० तक भक्त दर्शन कर सकेंगे। ८.३० से ९ बजे तक ठाकोरजी को बालभोग, श्रृंगारभोग और गोवालभोग अर्पित किया जाएगा। इस समय में दर्शन बंद होगा। ९ बजे श्रृंगार आरती होगी, तब भक्तों को प्रवेश नहीं मिलेगा। सुबह के ९ बजे से दोपहर के १ बजे तक भगवान फूलडोल में बिराजमान होंगे तब दर्शन खुला रहेगा। ३.३० बजे राजभोग आरती होगी और तब दर्शन का मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। ३.४५ से ४.३० तक दर्शन खुला रहेगा जबकि शाम को ४.३० से ५ बजे तक दर्शन बंद रहेगा। ५ बजे मंदिर खुलेगा। ५.१५ बजे उत्थापन आरती होगी। ५.२० से नित्यक्रम के अनुसार शयनभोग, सुखडी भोग अर्पित करके ठाकोरजी पोढी जाएंगे। १९ मार्च और २० मार्च को ठाकोरजी की मंगला आरती, श्रृंगार आरती तथा उत्थापन आरती होगी तब भक्तों के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

राज्यस्तर के मंत्री के बेटे का फायरिंग करता विडियो वायरल

भावनगर, ९ मार्च।

राज्य के मंत्री के बेटे का फायरिंग करता विडियो वायरल होने पर कई चर्चा शुरू हो गई है। भावनगर के महुवा के विधायक और मंत्री आरसी. मकवाणा के बेटे अमित मकवाणा सिक्योरिटी गार्ड के हथियार से हवा में फायरिंग करता हो ऐसा विडियो वायरल हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि, गुजरात में हवा में फायरिंग करना अपराध माना जाता है, महुवा के विधायक और राज्य सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री आरसी. मकवाणा के बेटे अमित मकवाणा हवा में फायरिंग करता हो ऐसा विडियो फिलहाल बहुत ही वायरल हो रहा है। हालांकि, इस मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। यह मामले में मंत्री के बेटे के खिलाफ लोगों ने सोशल मीडिया में नाराजगी व्यक्त की है। यह विडियो सही है कि नहीं इस मामले में पूछे जाने पर महुवा डीवायएसपी जाडेजा ने मीडिया को बताया है कि, इस मामले में जांच करके सुबह में बताया जाएगा। इस विडियो में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि, अमित मकवाणा पिता के सिक्योरिटी गार्ड की बंदूक लेकर हवा में रौब से फायरिंग कर रहा है। जिसके बाद इसका पूरा चेहरा भी दिखाई देता है, तब लोगों में कई सवाल है कि, सामान्य आदमी फायरिंग करता है तो इसके खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जाता है तो मंत्री के बेटे को कोई सजा होगी की नहीं। राज्य के मंत्री के बेटे का फायरिंग करता विडियो वायरल हुआ है।

भावनगर के महुवा के विधायक और मंत्री आरसी. मकवाणा के बेटे अमित मकवाणा का विडियो सिक्योरिटी गार्ड के हथियार से हवा में फायरिंग किया। कुछ दिन पहले भी अंगलेश्वर में फायरिंग का विडियो वायरल हुआ था। जिसमें कापोद्रा क्षेत्र में रात को एक लोकडायरा का आयोजन किया गया। गुजरात प्रेरित हिंदू धर्म सेना, अखिल भारतीय संत समिति और तृषिकुल गोधाम द्वारा आयोजित शाकोत्सव कार्यक्रम में लोकडायरा का आयोजन किया गया। यह लोकडायरा में स्थानीय लोग सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

गुजरात के 11 जिले और 2 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में दो दिन से कोरोना के मामले फिर बढ़ने लगे हैं। राहत की बात है कि यह आंकड़े चिंताजनक नहीं है, लेकिन लोगों को अब भी सतर्कता बरतना जरूरी हैं। सोमवार को राज्य में कोरोना के 43 नए मामले सामने आए थे, जो मंगलवार को बढ़कर 55 हो गए और आज बुधवार को यह आंकड़ा 58 पर पहुंच गया। आज राज्य में कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई और 112 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य के 11 जिले और 2 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं हैं। फिलहाल राज्य में कोरोना के 662 एक्टिव मामलों में 657 स्टेबल हैं और 5 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। 1211818 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं और 10938 मरीजों की मौत हो चुकी हैं। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 27 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 7, डांग में 5, वडोदरा में 4, गांधीनगर में 3, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 2, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भावनगर कॉर्पोरेशन, छोटाउदेपुर, दाहोद, जामनगर, नवसारी, सूरत और सूरत कॉर्पोरेशन में 1-1 केस पिछले 24 घंटों में सामने आए हैं। जबकि 22 जिले और 3 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी मामला पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। बुधवार को राज्य में 82326 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। 18 वर्ष से अधिक आयु के 5811 को पहला और 38812 लोगों को कोरोना का पहला डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 1637 किशोरों को पहली और 26144 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। जबकि 9922 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 10 करोड़ 37 लाख 19 हजार 576 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं।

प्रेमी जोड़े ने पेड़ पर फांसी लगाकर जान दी, मेहसाणा तहसील पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

मेहसाणा (ईएमएस) मेहसाणा के नुगर बाइपास के निकट मोढेरा हाईवे पर स्थानीय युवक मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। उस वक्त हाईवे के निकट एक पेड़ पर युवक और युवती के शव देख चौंक उठे और तुरंत नुगर गांव के सरपंच को जानकारी दी। सरपंच की सूचना पर मेहसाणा तहसील पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहसाणा जिले के नुगर गांव निवासी मनीषा ठाकोर और चेतन ठाकोर के बीच पिछले एक साल से प्रेम संबंध था। परिवार को जब इसकी भनक लगी तो मनीषा और चेतन को समझाया था। जिसके कुछ समय बाद मनीषा के परिवार ने अन्य युवक से उसकी सगाई कर दी। नुगर गांव के एक मुहल्ले में रहनेवाले चेतन और मनीषा बीती रात अपने घर से निकल गए और मोढेरा हाईवे पर पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी। चेतन के परिवार के मुताबिक रात 12 बजे तक चेतन घर में था। हांलाकि परिवार के सो जाने के बाद वह घर से निकला होगा और मनीषा के साथ आत्महत्या की होगी। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेहसाणा सिविल अस्पताल भेज आगे की कार्यवाही शुरू की हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, ट्रीहाउस स्कूल के बच्चों ने अपने माताओं और दादियों को बधाई दी

ट्रीहाउस प्ले स्कूल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने स्कूल के बच्चों के साथ मनाया जश्न जहां बच्चों के माताएं, दादी और शिक्षकों को बधाई दी, जो छोटे बच्चों की भलाई और विकास में बहुत योगदान देते हैं। विशेष प्रोग्राम आयोजित किया गया उन महिलाओं के लिए जो अपने बच्चों और पोते-पोतियों में अंतहीन समय और ऊर्जा का निवेश करती हैं।

ट्रीहाउस के संस्थापक राजेश भाटिया कहते हैं, हमने हमेशा बच्चों को उनकी मां और दादी की सराहना और प्यार करने की सीख दी है, जो समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन एक्टिविटी के माध्यम से, हम बच्चों को यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे रोजाना दिन के जो भी छोटे मोटे काम करते है उसमे वे अपने माता के प्रति हमेशा सम्मान और प्यार व्यक्त जरूर करे।

दो सगे भाइयों ने अपनी दुकान में जहरीली दवाई गटगटा आत्महत्या कर ली

राजकोट (ईएमएस) शहर के बेडी मार्केटिंग यार्ड में दो सगे भाइयों ने जहरीली दवाई पीकर आत्महत्या कर ली। आर्थिक संकट के चलते दोनों भाइयों ने आत्महत्याकी होने का प्राथमिक अनुमान हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। घटना मंगलवार रात 8 बजे की हैं। राजकोट-मोरबी हाईवे स्थित बेडी मार्केटिंग यार्ड की बनादास फर्म की ऑफीस में दो सगे विपुल सूचक और यतीन भाइयों ने किन्हीं कारणों से जहरीली दवाई पीकर अपनी जान दे दी। सूचना मिलते ही राजकोट की कुवाडवा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और पंचनामा इत्यादि की कार्यवाही कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए शहर के सिविल अस्पताल भेज दिया। सिविल अस्पताल में मौजूद मृतकों के चाचा अशोक सूचक ने बताया कि घटना की खबर मिलते ही हम मार्केटिंग यार्ड पहुंच गए। जहां पुलिस की जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे पता चला कि दोनों भाइयों ने आत्महत्या क्यों की। अशोक सूचक ने यह भी बताया कि दोनों भाइयों को किसी प्रकार का दुःख या किसी के साथ मनमुटाव भी नहीं था। आखिर किस वजह से दोनों भाइयों ने आत्महत्या की यह पुलिस की जांच के बाद ही पता चलेगा। प्राथमिक अनुमान है कि आर्थिक संकट से परेशान होकर दोनों आत्महत्या की हैं। अशोक सूचक के मुताबिक विपुल सूचक बेडी यार्ड में बनादास ट्रेडिंग कंपनी और यतीन सूचक मेडिकल स्टोर चलाता था। पुलिस ने विपुल और यतीन के साथ काम करनेवाले लोगों के बयान दर्ज करने के साथ दोनों भाइयों की कॉल रिकार्ड प्राप्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं।

व्यापारी चंद्रशेखर राव ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

-25 साल पुराना उधार चुकाने आंध्रप्रदेश से सूरत आए पिता-पुत्र

विजयवाड़ा(ईएमएस)। सूरत से एक ऐसी खबर सामने आ रही है जिसको पढ़कर आप भी इस शख्स की जमकर तारीफ करेंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण भारत में आंध्रप्रदेश स्थित विजयवाड़ा कपड़ा मंडी के एक 75 वर्षीय व्यापारी चंद्रशेखर राव ने पुराना उधार चुकाया है। हैरानी की बात तो यह है कि यह उधार एक या दो दिन का नहीं बल्कि 25 साल पुराना है। व्यापारी अपने बेटे के साथ आधे दर्जन कपड़े व्यापरियों को उनके पैसे लौटाने सूरत आया था।

बताया जा रहा है कि, यह उधार कुल 12 लाख का था। कई व्यपारी तो इस उधारी को भूल भी गए थे, लेकिन अपनी ईमानदारी दिखाते हुए 75 वर्षीय व्यापारी ने एक नहीं बल्कि आधे दर्जन व्यापारियों के पैसे लौटाए। उधारी चुकाने को लेकर शख्स की काफी तारीफ भी की जा रही है क्योंकि, सूरत कपड़ा मार्केट में आए दिन लाखों-करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले सामने आते रहते हैं। लेकिन इस घटना के बाद से लोग काफी चौंक गए है। कपड़ा व्यापारी चंद्रशेखर राव ने साल 1997 में कई व्यापारियों से उधार पर कपड़े खरीदे थे, लेकिन भारी नुकसान होने के बाद राव ने दुकान बंद करी दी और कहीं और चले गए। कुछ दिनों बाद लोग अपना उधार लेना भूल गए। इसी उधारी को 25 साल बाद राव ने अपने बेटे शेखरराव के साथ बुधवार को सूरत के कपड़ा मंडी में चुकाया। जिन-जिन व्यापारियों का रम बकाया था उन सभी के पास जाकर हाथ जोड़कर रकम लौटाए। कई व्यापारियों को अपनी बकाया राशि याद तक नहीं थी इसलिए राव ने जितनी करम लौटाई उसी को सबने सही मानकर रख लिया।

प.रे. ने गहन टिकट जाँच अभियान के दौरान अप्रैल, 2021 से फरवरी, 2022 तक 94 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल किया

- बिना मास्क के यात्रा करने वाले यात्रियों से 35 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लिया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा अनधिकृत यात्रा पर रोक लगाने के लिए नियमित टिकट जाँच अभियान चलाये जा रहे हैं। इन गहन अभियानों के द्वारा अप्रैल, 2021 से फरवरी, 2022 तक की अवधि के दौरान पश्चिम रेलवे को अनियमित यात्रा के मामलों से 94.21 करोड़ रुपये जबकि बिना मास्क के यात्रा करने के मामलों से 35.45 लाख रुपये जुर्माने के रूप में प्राप्त हुए। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अप्रैल, 2021 से फरवरी, 2022 तक टिकट जांच के दौरान बिना बुक किए सामान सहित टिकट रहित/अनियमित यात्रा के लगभग 15.92 लाख मामलों का पता लगाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 94.21 करोड़ रुपये का जुर्माना लिया गया। इस अवधि के दौरान आरक्षित टिकटों के अवैध हस्तांतरण के 9 मामलों का पता चला और 13,000 रुपये से अधिक का जुर्माना वसूल किया गया। इसके अलावा 660 भिखारियों को बाहर किया गया। 710 अनधिकृत फेरीवालों को भी पकड़ा गया, जिनमें से 261 पर जुर्माना लगाया गया और 1,10,000 रुपये की राशि रेलवे बकाया के रूप में वसूल की गई। 447 व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया गया और 1,45,870 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

रेलवे परिसर में बिना मास्क के यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई

टिकट चेकिंग स्टाफ को बिना मास्क यात्रा करने वाले यात्रियों से जुर्माना वसूलने का अधिकार दिया गया है, जिसके परिणामस्वारूप बिना मास्क के यात्रा करने के 20,092 मामलों में पश्चिम रेलवे पर 17 अप्रैल, 2021 से 28 फरवरी, 2022 तक 35.45 लाख रुपये जुर्माने स्व रूप प्राप्ता किये गये। पश्चिम रेलवे ने आम जनता से अपील की है कि सभी अनुमत श्रेणी के यात्री उचित और वैध टिकट के साथ यात्रा करें तथा असुविधा से बचने के लिए वैध पहचान पत्र साथ रखें और यात्रा करने के दौरान हमेशा मास्क पहने रहें। यात्रियों से यह भी अनुरोध किया जाता है कि वे कोविड-19 के लिए अनिवार्य उचित चिकित्सा और सामाजिक प्रोटोकॉल का पालन करें।

अहमदाबाद मंडल पर 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद की अध्यक्षा श्रीमती गीतिका जैन के नेतृत्व में अहमदाबाद मंडल के मण्डल कार्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 की थीम 'जेंडर इक्वैलिटी फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो' रही। इस कार्यक्रम के दौरान मंडल कार्यालय में कई एकल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जैसे रंगोली, पूजा थाली की सजावट, फूलों की सजावट आदि का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त वुमन एंपावरमेंट पर डॉक्यूमेंट्री, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वूमेन हेल्थ पर सेमिनार, फूड और न्यूट्रीशन पर टॉक शो, फिटनेस एण्ड यू पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती जैन ने बताया कि भारतीय समाज में ही नहीं वरन पूरे विश्व में स्त्रियों की भूमिका सदा से ही बहुत महत्वपूर्ण रही हैं, चाहे हम परिवार की बात करें या फिर समाज की, राजनीति की या फिर अर्थव्यवस्था की महिलाएं हर एक स्थान पर अपनी भूमिका बहुत ही बेहतरीन तरीके से निभाती आई है। संतान को जन्म देकर जननी के रूप में पालन पोषण करते हुए वह मार्गदर्शक के रुप में, गुरु के रूप में, नई समाज के निर्माण में नींव के रूप में स्त्री सदा ही मौजूद रही हैं। भारत जैसे पुरुष प्रधान देश में भी महिलाओं ने अपने कौशल कार्य से अपनी अलग पहचान बनाई है। आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलती है आज दुनिया का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां महिलाओं ने खुद को साबित नहीं किया है महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा हर क्षेत्र में बनवाया है। इस कार्यक्रम के दौरान श्रीमती जैन द्वारा मंडल पर कार्यरत 26 महिला कर्मचारियों को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी सुनील बिश्नोई के मार्गदर्शन में कार्मिक विभाग की वेलफेयर टीम द्वारा किया गया।

MEIL ने ONGC को रिग आपूर्ती में तेजी

भीमवरम (आंध्र प्रदेश), 8 मार्चः मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (श्ध्ंि) ने आंध्रप्रदेश के राजमंड्रि जिले में भीमवरम के करीब स्थित तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ध्ळ्उण) राजमंड्रि असेट को तेल और गैस की संभावनाओं को पूर्व और पश्चिम गोदावरी जिले में कवर करते हुए, रिग की डिलीवरी और 2,000- प्झ भूमि गत ड्रिलिंग रिग्ग को सौंपने में तेजी लाई है। यह एक अत्याधुनिक स्वदेशी तेल रिग है जिसमें दुनिया में आधुनिक और उत्तम श्रेणी की विशेषताएं हैं। यह 2,000- प्झ रिग 3,000- प्झ पारंपरिक रिग के बराबर काम की क्षमता रखती है। यह स्वदेशी रिग सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है, और यह 6,000 मीटर (6 किमी) की गहराई तक जमीन के अंदर ड्रिल कर सकता है।

साथ ही, श्ध्ंि ने मेहसाणा, अहमदाबाद, अंकलेश्वर, अगरतला और शिबसागर ध्ळ्उण क्षेत्रों को पांच वर्क ओवर रिगों की पहली खेप की आपूर्ति की है। ये पांच रिग परिचालन के लिए तैयार हैं। 5 रिग का दूसरा लॉट भी निर्माण के अंतिम चरण में है।

इस अवसर श्ध्ंि के इन 47 रिग के इनचार्ज सत्यनारायण ने कहा की, ठकोविड -19 के बावजूद, श्ध्ंि अपने वादे के अनुसार रिग के निर्माण और उनकी डिलीवरी में हम तेजी लाएं है। कंपनी ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इन आधुनिक तेल रिगों में दुनिया की सबसे अच्छी और सबसे उन्नत हाइड्रोलिक प्रौद्योगिकी विशेषताएं होंगी। जैसे-जैसे ऊर्जा की कीमतें बढ़ती हैं, उत्तम श्रेणी के रिग भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए तेल की ड्रिलिंग के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। गैस कुएं तेजी से और घरेलू उपयोग के लिए तेल और गैस उत्पादन में वृद्धि होगी। ठमेक इन इंडियाठ और ठआत्मानबीर भारतठ के तहत श्ध्ंि स्वदेशी तकनीक के साथ आधुनिक कुशल तेल ड्रिलिंग रिग के निर्माण में भारत का पहला निजी खिलाड़ी है।

बीजे 70 साल पुराना मानव सेवा मंदिर दिग्विजय लायंस फाउंडेशन मेडिकल कॉलेज के कारण आर्थिक तंगी का सामना कर रहा है

सिविल अस्पताल परिसर में बीजे मेडिकल कॉलेज के स्नातक छात्रों के छात्रावास की हालत खस्ता है। चूंकि मेडिकल छात्रों के पास छात्रावास की सुविधा नहीं है, इसलिए पिछले अक्टूबर 2021 में बीजे मेडिकल कॉलेज के डीन ने दिग्विजय लायंस फाउंडेशन को एक कमरा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया। छात्रों के लिए यह भी महत्वपूर्ण था कि वे अपनी जान जोखिम में न डालें।

महाविद्यालय की ओर से संस्थान को प्रति कमरा 400 रुपये देने का निर्णय लिया गया। जिसके साथ बी.जे. मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा पारित प्रस्ताव में 400 रुपये के भुगतान का भी उल्लेख किया गया है।

लेकिन 18 अक्टूबर 2021 के बाद से दिग्विजय लायंस फाउंडेशन को किसी अन्य मेडिकल के अनुरोध के अनुसार कोई भुगतान नहीं मिला है। फरवरी 2022 में अचानक बीजे मेडिकल ने एक प्रस्ताव पारित किया और उन्हें रुपये की पेशकश की। दिग्विजय लायंस फाउंडेशन ने प्रति छात्र 100 रुपये की जगह 100 रुपये लौटाए हैं। पैसे की कमी के कारण संगठन को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए संगठन ने उनसे अनुरोध पर पूरा भुगतान करने की मांग की है।

आगे बोलते हुए, दिग्विजय लायंस फाउंडेशन के अध्यक्ष कृष्णकुमार.सी. शाह ने कहा, ठहमारी सेवा भविष्य की संस्था है और हम केवल सिविल अस्पतालों में भर्ती मरीजों के रिश्तेदारों के लिए लिविंग रूम उपलब्ध कराते हैं।ठ डीन के प्रस्ताव और कॉलेज के छात्रों को मानवीय आधार पर कमरे दिए गए हैं।

कैस्ट्रॉल ने लॉन्च किया ऑल-न्यूथ रेडी मैग्नापटेक इंजन ऑयल्सब

मुंबई, 7 मार्च 2022 : भारत के अग्रणी लुब्रिकेंट ब्रैंड कैस्ट्रॉ ल इंडिया ने आज कैस्ट्रॉल मैग्नाटेक की अपनी नवीनतम श्रृंखला को लॉन्चम करने की घोषणा की है। इसमें कारों और एसयूवी के लिये रेडी "ए-न्न्ध इंजन ऑयल्सम की भारत की व्या0पक पेशकश शामिल है। नई रेंज में रिटेल ऑफ्टरमार्केट्स एवं ऑल-न्यू कैस्ट्रॉल मैग्ना टेक एसयूवी के लिये भारत का पहला इंजन ऑयल मौजूद है, जो एसयूवी को हैवी-लोड के कारण होने वाली खराबी से प्रमाणित सुरक्षा उपलब्ध कराता है।

नये कैस्ट्रॉ ल मैग्ना(टेक रेंज के लॉन्च का स्वाणगत करते हुये जया जमरानी, वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग, कैस्ट्रॉ ल इंडिया ने कहा, ''कैस्ट्रॉल ने हमेशा ही श्रेणी में सर्वश्रेष्ठस उत्पातदों की पेशकश करने का प्रयास किया है, जो वाहनों को बेमिसाल परफॉर्मेंस एवं सुरक्षा उपलब्धे कराते हैं। "ए-न्न्ध उत्सपर्जन नियमों को अपनाने के लिये कम ईंइए और पहले से पतले ग्रेड्स वाले लुब्रिकेंट्स की नई पेशकश की जरूरत थी। हमारी बिल्कुसल नई मैग्ना टेक रेंज के साथ कैस्ट्रॉ ल ने "ए-न्न्ध के अनुकूल लुब्रिकेंट्स की दिशा में आगे कदम बढ़ाने के लिये उद्योग का नेतृत्वझ किया है। नई पूरी तरह से सिंथेटिक कैस्ट्रॉ ल मैग्नाकटेक रेंज को "ए-न्न्ध इंजनों के लिये डिजाइन किया गया है पर यह कई पुराने इंजनों के साथ भी पूरी तरह अनुकूल (कॉम्पैमटिबल) है।''

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95